लखनऊ

बुधवार, 19 फरवरी, 2025

वर्ष : 10 । अंक: 219

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

# आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

सफल होने के लिए, सफलता की इच्छा,असफलता के भय से अधिक होनी चाहिए।

TODAY WEATHER

DAY 24° Hi

NIGHT 10° Low

## संक्षेप

### ज्ञानेश कुमार होंगे नए मुख्य चुनाव आयुक्त, नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले पहले सीईसी

नई दिल्ली। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत का अगला मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया है. वे निवर्तमान राजीव कुमार की जगह लेंगे। वो 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। ज्ञानेश कुमार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले पहले मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। इस कानून के तहत चुनाव निकाय प्रमुख के चयन के लिए गठित समिति में चीफ जस्टिस की जगह पर गृह मंत्री को शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और विपक्ष के नेता राहुल गांधी की हुई चयन समिति ने उनके नाम को अंतिम रूप दिया और राष्ट्रपति को इसकी सिफारिश की। चुनाव आयोग में अपने कार्यकाल से पहले ज्ञानेश कुमार कई प्रमुख पदों पर रह चुके हैं। इनमें रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव, गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव और अतिरिक्त सचिव, संसदीय कार्य मंत्रालय में सचिव और सहकारिता मंत्रालय में सचिव जैसे पद शामिल हैं। उन्होंने आईआईटी कानपुर से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री हासिल की है। साथ ही आईसीएफआई से बिजनेस फाइनेंस और एचआईएलडी, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से पर्यावरण अर्थशास्त्र में अध्ययन किया है। इससे पहले ज्ञानेश कुमार गृह मंत्रालय में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ काम कर चुके हैं। अगस्त 2019 में आर्टिकल 370 को हटाए जाने के समय वह अमित शाह के नेतृत्व वाले गृह मंत्रालय में कश्मीर संभाग में संयुक्त सचिव के पद पर तैनात थे।

### इस्राइल-हिजबुल्ला युद्धविराम के बाद लेबनान में लोगों का घर लौटना शुरू, इस मुद्दे पर अभी भी तनाव

बेरूत। इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच हुए युद्धविराम समझौते के बाद मंगलवार को दक्षिणी लेबनान में लोगों ने अपने-अपने घर लौटना शुरू कर दिया। दक्षिणी लेबनान का इलाका हिजबुल्ला का गढ़ माना जाता है। नवंबर में इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच युद्धविराम समझौता हुआ था, लेकिन हाल तक भी दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सैनिक तैनात थे। अब इस्राइली सैनिकों की वापसी के बाद लेबनान के सैनिक उनकी जगह तैनात हो गए हैं। लेबनान की सेना ने पहले इलाके की जांच की और फिर सड़कों पर इस्राइली सैनिकों द्वारा लगाए गए अवरोधों को हटाया। हालांकि खबर लिखे जाने तक लोगों को अपने-अपने घर जाने की इजाजत नहीं दी गई थी क्योंकि लेबनान की सेना इलाके में विस्फोटकों की जांच कर रही थी। इस्राइली सेना ने भी ड्रोन के जरिए हालात पर निगरानी रखी। इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच भले ही युद्धविराम हो गया है, लेकिन अभी भी एक मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों में तनाव है। दरअसल इस्राइली सेना ने पांच रणनीतिक तौर पर अहम पोस्ट खाली नहीं किए हैं। इस्राइल का कहना है कि वे इन पोस्ट से निगरानी जारी रखेंगे ताकि हिजबुल्ला आगे इस्राइल पर हमले न कर सके। वहीं हिजबुल्ला द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है और उनकी मांग है कि इस्राइली सेना पूरी तरह से लेबनान से हट जाए। इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने बताया कि इस्राइली सेना बफर जोन में पांच रणनीतिक ठिकानों पर कब्जा कायम रखेगी।

# उत्तर प्रदेश विधानसभा में सीएम योगी ने कहा, सपा ने सरकार के बहुत अच्छे कामों का विरोध किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** यूपी विधानसभा बजट सत्रः उत्तर प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को बजट सत्र की शुरुआत से पहले राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण के दौरान हंगामा हुआ। समाजवादी पार्टी के विधायकों ने महाकुंभ भगदड़, बेरोजगारी और अन्य मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे विधायकों को शांत करने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। बाद में सदन को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि उनकी सरकार विपक्ष द्वारा पूछे जा रहे हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है। योगी ने कहा कि सपा को राज्य सरकार द्वारा किए गए हर काम का विरोध करने की आदत है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'कल से राज्यपाल के अभिभाषण पर सदन में चर्चा होगी। 20 फरवरी को सदन में उत्तर प्रदेश का वर्ष 2025-26 का आम बजट पेश किया जाएगा। सत्र 18 फरवरी से 5 मार्च तक प्रस्तावित है। उत्तर प्रदेश के इतिहास में ऐसे बहुत कम अवसर आए हैं, जब इतने लंबे समय तक सत्र आहूत किया गया हो। लेकिन सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से पूरी होनी चाहिए। यह केवल सत्ता पक्ष की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि विपक्ष की भी उतनी ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सदन चर्चा का मंच बनना चाहिए।'

योगी ने कहा कि पिछले करीब 8 वर्षों में डबल इंजन वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार ने उत्तर प्रदेश के विकास के लिए जो मानक स्थापित किए हैं, वे अभूतपूर्व हैं। इसकी झलक राज्यपाल के अभिभाषण के साथ-साथ सदन के अंदर होने वाली चर्चाओं से भी मिलती है। उन्होंने कहा कि स्वाभाविक रूप से हताश और निराश विपक्ष इन मुद्दों पर चर्चा करने से भागने की कोशिश करता है और सदन की कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास करता है।

योगी ने बजट सत्र को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग का आग्रह किया इससे पहले सोमवार को मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों के नेताओं से आगामी बजट सत्र के दौरान सदन में जनहित के मुद्दे उठाने और विधानसभा की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में मदद करने को कहा। बजट सत्र शुरू होने से पहले स्पीकर सतीश महाना ने सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की। सदन के नेता योगी ने बैठक में नेताओं से आग्रह किया कि वे सुनिश्चित करें कि सदन के कामकाज में कोई बाधा न आए और वे जनहित से जुड़े हर मुद्दे को उठाएं।

उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दे उठाने और सदन को सुचारू रूप से चलाने से विकास को गति मिलेगी। स्पीकर सतीश महाना ने सभी सदस्यों से सत्र के सुचारू संचालन के लिए सहयोग करने की भी अपील की। एक बयान में कहा गया है कि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडेय, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा, जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के विनोद सरोज भी अन्य लोगों के साथ मौजूद थे। सीएम ने सोमवार को विधान भवन के मुख्य द्वार का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधानसभा परिसर की दीवारों पर भित्ति चित्रों का अनावरण भी किया गया।

### मुख्यमंत्री ने जताई उम्मीद, हार से हताश विपक्ष सदन पर नहीं उतारेगा खुन्नस

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट सत्र से पहले कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हार से हताश विपक्ष अपनी खुन्नस सदन पर नहीं उतारेगा, बल्कि सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में सकारात्मक योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने बजट सत्र से पहले पत्रकारों से बातचीत में कहा, राज्यपाल का अभिभाषण और बजट महत्वपूर्ण मुद्दे होते हैं, जिसमें विपक्ष ही नहीं, बल्कि सदन का हर सदस्य अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष जिस मुद्दे पर चर्चा करना चाहेगा, सरकार उसका तथ्यात्मक जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। हम चाहते हैं कि सदन सार्थक चर्चा का मंच बने। आरोप-प्रत्यारोप या फिर असंसदीय आचरण से समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा ''उम्मीद करता हूं कि महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण से सुदृढ़ व मर्यादित आचरण की शुरुआत होगी। हम उम्मीद करेंगे कि विपक्ष समेत सभी सदस्यगण सदन में ऐसा आचरण दिखाएंगे, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आमजन की आस्था को और सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बजट सत्र में उत्तर प्रदेश विधानमंडल की कार्यवाही प्रारंभ होने पर सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राज्यों में महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण से इस सत्र की शुरुआत होती है। इसी सत्र के दौरान वर्ष भर के लिए राज्य सरकार का बजट भी पारित होता है। अन्य विधायी कार्यों के साथ ही जनहित व राज्य के विकास से जुड़े हुए महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी सदन में चर्चा होती है। इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, धर्मपाल सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

# यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया को गिरफ्तारी से मिली राहत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया को समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में उनकी अभद्र टिप्पणी के लिए फटकार लगाई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सोमवार को रणवीर के खिलाफ मुंबई, जयपुर और गुवाहाटी समेत अन्य शहरों में दर्ज एफआईआर को एक साथ करने की उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाई।

कोर्ट ने रणवीर से जांच में सहयोग करने को कहा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने निर्देश दिया कि शो के संबंध में अब कोई और प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी और रणवीर धमकियों के खिलाफ सुरक्षा के लिए पुलिस से संपर्क करने के लिए स्वतंत्र हैं।

इस दौरान कोर्ट ने कहा, लोकप्रिय होने का मतलब यह नहीं कि आप किसी भी चीज पर टिप्पणी कर सकते हैं! आप लोगों के माता-पिता का अपमान कर रहे हैं, बहन-बेटियां शर्मिंदा होंगी, पूरा समाज शर्मिंदा होगा। कोर्ट ने कहा कि उसके (याचिकाकर्ता) दिमाग में बहुत कुछ गंदा है, जो उसने कार्यक्रम में उगल दिया, कोर्ट को उसका पक्ष क्यों लेना चाहिए?

कोर्ट ने कहा, ये अश्लीलता नहीं तो और क्या है? आप अपनी अश्लीलता कभी भी दिखा सकते हैं, नीचता दिखा सकते हैं। यदि आप इस तरह की बातें कहकर सस्ता प्रचार पाने की कोशिश कर सकते हैं, तो हो सकता है कि अन्य लोग भी धमकियां देकर सस्ता प्रचार पाना चाहें। कोर्ट ने कहा कि उसे (रणवीर को) शर्म आनी चाहिए कि उसने अपने माता-पिता के साथ क्या किया है। पीठ ने कहा, हम सभी यह भी जानते हैं कि उसने कहां से नकल की है, हम हाथी दांत के टॉवर में नहीं बैठे हैं, हम जानते हैं कि उसने इसे ऑस्ट्रेलियाई शो (ट्रुथ ऑर ड्रिंक) से सीखा है।

कोर्ट ने कहा कि इससे रणवीर की विकृत मानसिकता का पता चलता है। यूट्यूबर और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और बियरबाइसेप्स से मशहूर रणवीर ने इंडियाज गॉट लेटेंट शो में एक प्रतिभागी से सवाल पूछा था कि क्या आप अपने माता-पिता को अपने जीवन के बाकी हिस्से के लिए हर दिन संबंध बनाते हुए देखेंगे या एक बार इसमें शामिल होंगे और इसे हमेशा के लिए रोक देंगे?

### मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर पड़ा पंगा, राहुल गांधी ने जताई नाराजगी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विरोध जताया है। ट्वीट के माध्यम से उन्होंने अपनी नाराजगी का विवरण जारी किया। राहुल गांधी ने डिसेंट नोट में लिखा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का आधी रात को लिया गया यह फैसला अपमानजनकÓ है।

राहुल गांधी ने बताया कि चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से संबंधित समिति की बैठक के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को एक असहमतिपूर्ण नोट सौंपा था। इस नोट में राहुल गांधी ने साफ कहा कि चुनाव आयोग की स्वतंत्रता विशेष रूप से चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया सरकार के हस्तक्षेप से मुक्त होनी चाहिए।

# सरकार ने जनता की उम्मीदों को किया नकारा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राज्य विधानमंडल में राज्यपाल के अभिभाषण पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इसे सच्चाई से कोसों दूर, नीरस और निराशाजनक बताते हुए कहा कि इस अभिभाषण में जनसामान्य की आशाओं और आकांक्षाओं की पूरी तरह उपेक्षा की गई है।श्री यादव ने कुंभ मेले में हुई घोर अव्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने दिव्य भव्य व्यवस्था का दावा कर उन श्रद्धालुओं का अपमान किया, जिनकी जानें सरकारी कुव्यवस्था के कारण चली गईं। इसके अलावा, उन्होंने राज्यपाल महोदय से मृतकों की संख्या और अन्य जानकारी का खुलासा न करने पर असंतोष जताया, और इसे सरकारी संवेदनहीनता करार दिया।पूर्व मुख्यमंत्री ने अभिभाषण में किसानों और नौजवानों के लिए कोई ठोस योजना या घोषणा नहीं किए जाने पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पढ़े-लिखे नौजवान रोजगार के लिए भटक रहे हैं, निवेश के नाम पर केवल आंकड़ेबाजी हो रही है और उद्योगों का विकास ठप है।

# बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात के असर से शुरू हुई बारिश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। इसके चलते आज कई राज्यों में सुबह हुई बारिश से मौसम पलट गया है।

इसके साथ ही कुछ जगह कोहरा भी देखने को मिल रहा है, जिससे जाती हुई सर्दी फिर से लौट आई है। इसके अलावा आज कई जगह बादल छाए रह सकते हैं। 20 फरवरी तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा और तापमान में गिरावट के कारण ठंड़ एक बार फिर जोर पकड़ेगी।

राजस्थान में पिछले कुछ दिनों से बढ़ रहे तापमान पर आज ब्रेक लग गया। पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश में राजधानी जयपुर में आज सुबह हल्की बारिश से मौसम फिर से ठंड़ा हो गया। मौसम विभाग ने 11 जिलों में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है। 20 फरवरी तक उत्तर-पश्चिमी व उत्तरी हिस्सों में बादल छाए रहने के साथ बारिश होने के आसार हैं। प्रदेश में सोमवार को सबसे अधिक तापमान बाड़मेर में 35.0 डिग्री दर्ज किया गया। देश की राजधानी दिल्ली में भी बढ़ रहे तापमान से गर्मी महसूस कर रहे लोगों को पश्चिमी विक्षोभ से राहत मिलने की संभावना है। 19 फरवरी को यहां अंधड़ के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान जताया गया है। इसके अलावा 20 फरवरी को बादल छाए रहने के साथ बूंदाबांदी हो सकती है। इससे तापमान में कुछ गिरावट हो सकती है। आज अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम 11 डिग्री तक रह सकता है।

उत्तर प्रदेश में भी मौसम पलट सकता है। यहां आज बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश होने के संकेत हैं। अगले 2 दिन में पश्चिमी विक्षोभ के असर से बादलों की आवाजाही के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट है। स्काईमेट के अनुसार, 18 से 20 फरवरी तक तेज हवाओं के साथ पश्चिमी हिस्से समेत कुछ मध्य भाग में बारिश की संभावना बन सकती है। जहां मौसम शुष्क रहेगा, वहां सुबह कोहरा छाने के साथ गलन रहेगी। हिमाचल प्रदेश में आज कुल्लू, मनाली, रोहतांग और अटल टनल समेत ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। प्रदेश में कई जगह तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है।

# तीन नए आपराधिक कानूनों पर गृह मंत्री शाह ने की बैठक, सीएम उमर बोले- जहां कमी है, वहां दुरुस्त करेंगे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को लेकर दिल्ली में एक अहम बैठक की। शाह ने बैठक की अध्यक्षता की है। बैठक में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मौजूद रहे।

बैठक के बाद सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का नए आपराधिक कानूनों को लागू करने में काफी हद तक रोल ठीक रहा है। जहां कमी रही है, उस पर बात हुई उसे भी दुरुस्त किया जाएगा।

साथ ही आगे कहा कि लोगों को नए कानूनों की पूरी जानकारी हो, इसके लिए भी पहल की जाएगी। इससे पहले जो दो बैठक हुई थी, वो सुरक्षा से संबंधित थी, अगर सुरक्षा

से संबंधित बैठकों में जनता द्वारा चुनी हुई सरकार को शामिल न करने का फैसला लिया जाता है, तो ठीक है।

जम्मू कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से कानून और व्यवस्था सीधे केंद्र सरकार क द्वारा नियंत्रित की जाती है। क्योंकि तत्कालीन राज्य को 2019 में जम्मू और कश्मीर और लद्दाख को अलग कर दिया गया था।

अधिकारियों ने कहा कि अब्दुल्ला और सिन्हा के अलावा, केंद्र सरकार और जम्मू और कश्मीर सरकार के शीर्ष अधिकारी नॉर्थ ब्लॉक में बैठक में शामिल हुए थे। जिसमें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम यानी तीनों कानूनों पर चर्चा की। जानकारी के लिए बता दें कि नए कानून पिछले साल 1 जुलाई से लागू हुए थे। गृह मंत्री पहले ही उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात सहित कई राज्यों में नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद स्थिति की समीक्षा कर चुके हैं।

# महाकुंभ पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का विवादित बयान, विधानसभा में विपक्ष के हंगामे पर भी बोलीं

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की विधानसभा में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को विवादित बयान दिया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए महाकुंभ 2025 को 'मृत्यु कुंभ' बता दिया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह महाकुंभ सम्मान करती हैं।

### मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बयान में क्या कहा

बनर्जी ने कहा, 'यह मृत्यु कुंभ है..मैं महाकुंभ का सम्मान करती हूं, मैं पवित्र गंगा मां का सम्मान करती हूं। लेकिन इसके लिए कोई योजना नहीं है, कितने शव बरामद हुए हैं? अमीरों, वीआईपी लोगों के लिए एक लाख रुपये तक के शिविर पाने की व्यवस्था है। गरीबों के लिए कुंभ में कोई व्यवस्था नहीं है। मेले में भगदड़ की स्थिति आम है, व्यवस्था करना जरूरी है। आपने क्या योजना बनाई है?'

### राज्यपाल के भाषण पर साधा निशाना

राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस के भाषण पर मुख्यमंत्री बनर्जी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, कई राज्यों में डबल-इंजन सरकार है, जहां डबल-इंजन सरकार है। लेकिन पश्चिम बंगाल में हमने विपक्ष को (बोलने के लिए) 50 फीसदी समय दिया। उन्होंने सदन के पटल पर कागज फेंके। भाजपा, कांग्रेस और माकपा एक साथ मेरे खिलाफ हैं। उन्होंने मुझे अपना भाषण नहीं देने दिया।

### 'धर्म के खिलाफ भड़काना अभिव्यक्ति की आजादी नहीं'

मुख्यमंत्री बनर्जी ने विधानसभा में कहा, अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सांप्रदायिकता के बारे में बोलना या किसी धर्म के खिलाफ भड़काना नहीं है। आप एक धर्म विशेष को बेच रहे हैं। मैंने कुछ वीडियो देखे हैं, जहां वह (विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी) हिंदू धर्म के बारे में बोल रहे हैं। इसीलिए उन्हें सदन से निलंबित किया गया है। मैं कभी धार्मिक मामले को भड़काने की बात नहीं करती है।

# रविंद्र नेगी ने मनीष सिसोदिया पर लगाया बड़ा आरोप

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज से भाजपा विधायक रविंद्र सिंह नेगी (रवि नेगी) ने आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक और उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया पर बड़ा आरोप लगाया है। मौजूदा विधायक ने एमएलए दफ्तर का एक वीडियो साझा किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि मनीष सिसोदिया विधानसभा कैंप कार्यालय से एसी, टीवी, टेबल और कुर्सी चोरी करके ले गए हैं।

भाजपा विधायक रविंद्र नेगी ने अपने आधिकारिक एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा कि आम आदमी पार्टी से पटपड़गंज के पूर्व विधायक मनीष सिसोदिया ने चुनाव से पहले ही अपना असली चेहरा दिखा दिया था। विधानसभा कैंप कार्यालय से जिसमें एसी, टीवी, टेबल, कुर्सी और पंखे जैसे सामान चुराए गए। विधायक रविंद्र नेगी ने आगे लिखा कि इनकी भ्रष्टाचार की हदें अब भी पार नहीं हुईं। अब ये अपनी असलियत और चोरी छिपाने की राजनीति में माहिर हो गए हैं। हम जनता के हक की रक्षा करेंगे और ऐसे भ्रष्टाचारियों को बेनकाब करेंगे। आगे कहा कि हम इस मामले में मनीष सिसोदिया को कानूनी नोटिस भेजने वाले हैं।

दिल्ली में करीब 26 साल बाद भाजपा ने विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की। ऐसे में चुनाव परिणाम आने के बाद भी भाजपा और आम आदमी पार्टी एक दूसरे पर आरोप लगा रही हैं। दिल्ली की पटपड़गंज विधानसभा सीट से भाजपा ने इस बार जीत दर्ज की। रविन्द्र सिंह नेगी ने आम आदमी पार्टी के अवध ओझा को 28072 वोट से हरा दिया। दरअसल, पटपड़गंज विधानसभा सीट दिल्ली की चर्चित विधानसभा सीटों में से एक थी।

# प्रयागराज जंक्शन जाने वाले मार्ग को सुबह से ही किया बंद, स्टेशन जाने वाले मार्ग पर बैरिकेडिंग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**महाकुम्भ नगर।** प्रयागराज संगम स्टेशन को 26 फरवरी तक बंद करने के बाद प्रयागराज जंक्शन पर भीड़ का दबाव काफी अधिक बढ़ गया है। जंक्शन जाने वाले सभी रास्तों पर खड़े होने तक की जगह नहीं बची है। सिविल लाइंस पानी की टंकी से जंक्शन जाने वाला आरओबी यात्रियों से भर गया है। जानसेनगंज चौक के रास्ते भी भीड़ जंक्शन की ओर बढ़ रही है।

मेले से जंक्शन की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या अधिक है। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कुछ कमी आई है। शहर में कई जगह बैरिकेडिंग करके बाइक और चार पहिया वाहनों को रोक दिया गया है। मेडिकल कॉलेज, सीएमपी डॉट पुल से लेकर बालसन चौराहे पर जबर्दस्त बैरिकेडिंग की गई है। पैदल जाने वालों को दूसरे रास्ते से और वाहनों को दूसरे रास्ते से भेजा जा रहा है।

जंक्शन के अलावा प्रयाग स्टेशन, झूंसी, रामबाग प्रयागराज, नैनी, छिवकी और फाफामऊ स्टेशनों पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। रेलवे की ओर से तैयार कराए गए सारे होल्डिंग एरिया और रैन बसेरे फुल हो गए हैं। श्रद्धालु सड़कों पर बैठककर ट्रेनों का इंतजार कर रहे हैं।

### भीड़ बढ़ी तो पत्थर गिरजा के निकट भेजी गईं शटल बसें

प्रयागराज जंक्शन पर भारी भीड़ को देख यूपी रोडवेज की शटल सेवा सोमवार को पत्थर गिरजा सिविल लाइंस से संचालित की जाने लगी। संगम स्नान के बाद रेलवे स्टेशन की ओर आने वाले श्रद्धालुओं को शटल बसों के जरिये बेला कछार और झूंसी स्टेशन पहुंचाया जाता रहा। यूपी रोडवेज ने सभी अस्थायी बस स्टेशनों से 2200 बसों का संचालन किया।

दोपहर से ही प्रयागराज जंक्शन पर भीड़ बढ़नी शुरू हो गई। इसके बाद जिला प्रशासन ने यूपी रोडवेज के अफसरों से संपर्क साधकर पत्थर गिरजा से एजी ऑफिस के बीच शटल बसों को लाना शुरू कराया। ताकि, प्रयागराज जंक्शन की ओर आने वाले श्रद्धालुओं को शटल बसों के माध्यम से अस्थायी बस स्टेशन छोड़ा जाए।

शाम से ही शटल बसों को फाफामऊ पुल के रास्ते बेला कछार और झूंसी के लिए भेजा जाने लगा। इस दौरान रोडवेज के भी कई वरिष्ठ अफसर वहां बसों के संचालन को लेकर कर्मचारियों को दिशानिर्देश देते रहे। वहीं, शहर के अन्य रूटों पर भी रिजर्व शटल बसें चलाई गईं।

यहां जीपीओ के पास पहुंचे चंदौली के रामेश्वर दयाल ने बताया कि उन्हें पंडित दीन दयाल उपाध्याय के लिए ट्रेन पकड़नी है। अब बस से वह झूंसी जाकर वाराणसी की बस पकड़ेंगे। सुल्तानपुर के अश्विनी पाठक ने बताया कि सुबह वह बेला कछार से पैदल ही संगम गए थे। वापसी में संगम से पत्थर गिरजा तक वह पैदल ही आए। अब बस से वह बेला कछार जाकर सुल्तानपुर की बस पकड़ेंगे।

# संगम पर भक्ति का अनंत प्रवाह, महाकुंभ में अब तक 55 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**महाकुम्भ नगर।** महाकुंभ में अमृत स्नान के लिए आस्था का भक्ति का प्रवाह लगातार तेज होता जा रहा है। सोमवार की देर शाम संगम पर फिर लाखों श्रद्धालु पहुंच गए। दिन रात रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों पर आस्थावानों का तांता लगा रहा। संगम जाने वाली सड़कों पर हर तरफ जन ज्वार नजर आने लगा। मंगलवार दोपहर 12 बजे तक करीब 70 लाख श्रद्धालुओं के संगम में डुबकी लगाने का दावा मेला प्रशासन ने किया है।

इस तरह माने तो अब तक त्रिवेणी में स्नान करने वालों की संख्या 55 करोड़ के पार हो चुकी है। मेला अभी आठ दिन शेष है। माना जा रहा है कि यह संख्या 60 करोड़ तक या उसके पास भी पहुंच सकती है।मंगलवार को संगम जाने वाले सभी रास्ते श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भर गए। अमृतमयी त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी के लिए एक लय में भोर से ही भक्ति की लहरें हिचकोले खाती रहीं। मेला प्रशासन ने दोपहर 12 बजे तक करीब 70 लाख श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का दावा किया। अब तक के महाकुंभ में कुल 55 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं।

### श्रद्धालुओं की सुरक्षा में मजबूत प्रहरी बने सीआरपीएफ के जवान

सीआरपीएफ के जवान 24 घंटे घाटों, मेला परिसर और प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे हैं। आधुनिक तकनीक और सतर्क निगाहों से किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी की गई है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच सीआरपीएफ के जवान मार्गदर्शन और सहायता कर रहे हैं। उनका सौम्य व्यवहार और तत्परता श्रद्धालुओं को सहज अनुभव प्रदान कर रहा है।

### भीड़ प्रबंधक सीखने नासिक से कुंभनगरी आए अफसर

कुंभ के दौरान उमड़ने वाली करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ से निपटने के लिए नासिक-त्रंबकेश्वर प्रशासन ने अभी से तैयारियां शुरू कर दीं। कुंभ के दौरान पेश आने वाली चुनौतियों से निपटने के तौर-तरीके समझने के लिए बीस अफसरों की टीम मंगलवार को प्रयागराज पहुंचेगी। यहां दो दिन ठहरकर अफसरों की यह टीम कुंभ मेले से जुड़ी आयोजन की बारीकियों को समझेंगे। नासिक के डिविजनल कमिश्नर प्रवीण गेदाम की अगुवाई में दल यहां आकर कुंभ आयोजन का अध्ययन करेगा। बता दें, वर्ष 2027 में गोदावरी के तट पर नासिक-त्रंबकेश्वर में कुंभ का आयोजन होगा। डिविजनल कमिश्नर प्रवीण गेदाम ने अमर उजाला को बताया कि प्रयागराज के मुकाबले नासिक एवं त्रंबकेश्वर में स्थान काफी कम है। खास तौर से त्रंबकेश्वर में अधिक स्थान नहीं है। ऐसे में भीड़ से निपटना सबसे बड़ी चुनौती है।

उनकी टीम खास तौर से भीड़ प्रबंधन समझेगी। इसके साथ ही बसावट संबंधी अन्य पहलुओं का भी अध्ययन करेंगे। टीम में नासिक नगर निगम, स्मार्ट सिटी मिशन, जल निगम, परिवहन निगम समेत पुलिस प्रशासन से जुड़े अफसर भी शामिल हैं। डिविजनल कमिश्नर के मुताबिक दो दिन तक उनकी टीम यहां रहकर सभी पहलुओं का अध्ययन करेगी।

### दुनिया के लिए स्वच्छता मॉडल बनकर उभरा महाकुंभ

महाकुंभ भविष्य के आयोजनों के लिए दुनिया भर के लिए स्वच्छता मॉडल बनकर उभरा है। महाकुंभ में अब तक 55 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आ चुके हैं, जिनकी सुविधा के लिए डेढ़ लाख से अधिक टॉयलेट्स स्थापित किए गए हैं लेकिन अपशिष्ट जल को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करते हुए नदी में जीरो डिस्चार्ज सुनिश्चित किया गया है।

महाकुंभ की विशेष कार्याधिकारी अकांक्षा राणा ने बताया कि 55 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों की भारी आमद के बावजूद कूड़ा-कचरा मुक्त, प्लास्टिक मुक्त और स्वच्छ कुंभ के विजन को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। मेला क्षेत्र में 1.5 लाख से अधिक शौचालय स्थापित किए गए, जिनमें सोक-पिट, एफआरपी और मोबाइल यूनिट शामिल हैं।

### रोज निकल रहा 650 मीट्रिक टन कचरा

क्यूआर कोड-आधारित निगरानी प्रणाली ने वास्तविक समय में रखरखाव सुनिश्चित किया, जबकि जेट स्प्रे सफाई तकनीक और पर्यावरण के अनुकूल रासायनिक समाधानों ने सुविधाओं को स्वच्छ और गंध मुक्त रखने में मदद मिली। प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कचरे को संभालने के लिए अधिकारियों ने एक मजबूत कचरा प्रबंधन प्रणाली स्थापित की, जिसके तहत बसवार प्लांट में प्रतिदिन 650 मीट्रिक टन (एमटी) कचरा संसाधित किया जा रहा है। कचरा संग्रह के लिए 120 हॉपर टिपर ट्रक और 40 कॉम्पैक्टर लगाए गए हैं।

# महाशिवरात्रि पर फूलों की सुगंध से महकेगी बरेली, सांस्कृतिक प्रस्तुति संग होगा फ्लावर-शो का शुभारंभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**बरेली।** महाशिवरात्रि पर रामायण वाटिका में आयोजित हो रहे पुष्प प्रदर्शनी में दो लाख फूलों की सुगंध के बीच प्रसिद्ध कलाकार मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति भी देते नजर आएंगे, जिसमें शिव तांडव, बृज क्षेत्र की सांस्कृतिक कार्यक्रम संग भजन आदि शामिल रहेंगे।

इसके साथ शहर के प्रमुख 26 चौराहों-तिराहों व मार्ग भी सप्ताहभर तक फूलों से सजे नजर आएंगे, जो शहर में आने वाले लोगों को नाथनगरी की नई तस्वीर से परिचय कराएंगे।

सोमवार को बीडीए अधिकारी पुष्प प्रदर्शनी और पुष्प सप्ताह की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे रहे। अधिकारियों के अनुसार रामायण वाटिका में 70 हजार से अधिक पुष्प लगा दिए गए हैं। फ्लावर शो में देश-विदेश के अलग-अलग प्रजातियों के दो लाख से अधिक पुष्पों का प्रदर्शन किया जाएगा।

### नाथ कॉरिडोर परियोजना को दी है स्वीकृति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहर में धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नाथ कारिडोर परियोजना की स्वीकृति दी है। परियोजना के तहत सातों शिव मंदिरों की कायाकल्प की जाएगी। इन सबके बीच 26 फरवरी से शुरू हो रहे महाशिवरात्रि के अवसर पर बरेली विकास प्राधिकरण ने शहर में फ्लावर शो और शहर में एक सप्ताह तक सभी घरों गमले आदि रखने के साथ चौराहों-तिराहों की सजावट के साथ पुष्प सप्ताह (फ्लावर वीक) मनाने की योजना बनाई है।

हर शाम होगा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

सोमवार को बीडीए उपाध्यक्ष मनिकंडन ए. ने सचिव योगेंद्र कुमार संग तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगे रहे। उपाध्यक्ष ने रामायण वाटिका का निरीक्षण भी किया। इस दौरान शाम तक 70 हजार से अधिक पुष्पों को पहुंचने का दावा किया गया। बीडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि फ्लावर शो के दौरान रामायण वाटिका में हर दिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इसके लिए अलग-अलग स्थानीय स्तर के प्रतिभाशाली कलाकारों संग वार्ता की जा रही है।

### कैंट बोर्ड और नगर निगम भी आया आगे

बीडीए उपाध्यक्ष के अनुसार पुष्प प्रदर्शनी में नगर निगम और कैंटोनमेंट बोर्ड ने भी कुछ प्रमुख चौराहों-तिराहों को सप्ताहभर तक पुष्पों से सजाने-संवारने की बात कही है। इसमें आदिनाथ, चौकी चौराहा, वीरांगना चौक, कारगिल चौक समेत कई अन्य प्रमुख चौराहे-तिराहे शामिल हैं।

फ्लावर शो की तैयारियों को लेकर निरीक्षण करते बीडीए उपाध्यक्ष मनिकंडन ए. 1 जागरण

### शहर के 26 चौराहा-तिराहा सजाने को आगे आए लोग

बीडीए उपाध्यक्ष मनिकंडन ए. ने बताया कि फ्लावर वीक के दौरान शहरवासी अपने-अपने घरों में गमले रखकर स्वच्छता का संदेश देंगे ही, शहर के सभी प्रमुख चौराहों-तिराहों व मार्गों को भी सप्ताहभर तक फूलों से सजाया जाएगा। इसके लिए अब तक 26 चौराहों-तिराहों व मार्गों को सजाने के लिए आइएमए, व्यापार मंडल, ज्वैलर्स, बिल्डर एसोसिएशन के साथ अलग-अलग संस्थान-प्रतिष्ठानों ने जिम्मेदारी ली है।

# नियम कानून ताक पर रखकर पंचायती राज विभाग में हो रहे तबादले और तैनाती का खेल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुलतानपुर।** जिले के पंचायती राज विभाग विभाग में सफाई कर्मियों की तैनाती और तबादले को लेकर बड़ा खेल चल रहा है। मनचाही तैनाती पाने के लिए अंडर टेबल काम हो रहा है। यह सब कुछ जिला पंचायत राज अधिकारी के नाक के नीचे चल रहा है। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री की आईजीआरएस प्रणाली पर भी कई बार झूठी रिपोर्ट लगाकर शासन को गुमराह किया गया है।

पंचायती राज विभाग में तैनाती और तबादले का खेल निराला है। सूत्रों के मुताबिक जो सफाई कर्मी अंडर टेबल सुविधा शुल्क दे रहा है। उसे मनचाही तैनाती मिल रही है। जो अक्षम है वह इधर-उधर फेंका जा रहा है। जिसका जीता जागता उदाहरण के बरौंसा ग्राम पंचायत है। इस ग्राम पंचायत के अंतर्गत चार राजस्व गांव आते हैं। जिनमें रामपुर, नारायणपुर, गंगोलिया, और बरौंसा है। यहां एक मिनी सचिवालय, तीन प्राथमिक विद्यालय, एक जूनियर हाई स्कूल, एक सुलभ शौचालय और सामुदायिक मीटिंग हाल है। इसके अलावा लखनऊ-बलिया हाइवे पर स्थित बरौसा चौराहा भी है।

जहां लोक निर्माण विभाग की ओर से नालियां बनाई गई है। जो सफाई न होने से अक्सर जाम रहती हैं। यहां पर एकमात्र सफाई कर्मी मीरा वर्मा तैनात है जो की महिला है। ऐसे में इतने बड़े क्षेत्र की सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालना उनके बस की बाहर की बात लगती है। इसके विपरीत धनउडीह ग्राम पंचायत में गुवावा राजस्व ग्राम है। जहां कोई सरकारी भवन नहीं है। यहां रामजनक वर्मा की तैनाती है। इसी तरह गोपालपुर ग्राम पंचायत में चंदनपुर, भीटी और कन्हापुर राजस्व ग्राम है जहां परमहंस पाल की तैनाती है। सबसे महत्वपूर्ण अठेसी ग्राम पंचायत है। जिसमें तीन राजस्व गांव सबेहा, ऊडौली, अठेसी है।

इसी क्षेत्र में तहसील मुख्यालय का भवन भी है। यहां एक सफाई कर्मी बसंत तिवारी तैनात हैं। सूत्रों के अनुसार वह भी सफाई के स्थान स्थान पर माल बाबू के कार्यालय में बैठकर अंडरटेबल काम करते हैं। बरौसा चौराहे पर नालियां चोक होने से पानी सड़कों पर बहता है। जिसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने उच्च अधिकारियों से लेकर दर्जनों बार आईजीआरएस पर भी की है। इन शिकायतों पर विभाग ने मुख्यमंत्री के आईजीआरएस प्रणाली को भी गुमराह कर झूठी रिपोर्ट प्रेषित कर दी। इस संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी अभिषेक शुक्ला का कहना है कि उन्हें इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। ज्यादा कुरेदे जाने पर उन्होंने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार किया।

## खेल प्रतियोगिताएं करती हैं असली राष्ट्र निर्माण : वरुण मिश्र

**सुलतानपुर।** राष्ट्र निर्माण में खेल प्रतियोगिताओं एवं खेल मैदानों का अहम रोल है, ये बातें कांग्रेस पार्टी के युवा नेता वरुण मिश्र ने कहीं वे सुल्तानपुर के इटकौली ग्रामसभा में इटकौली प्रीमियर लीग के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे, प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि खेल के मैदानों में सिर्फ प्रतिभा देखी जाती है वहां कोई जाति धर्म नहीं देखता है असली राष्ट्र निर्माण यहीं से शुरू होता है खुशहाल भारत की नींव भी यहीं से पड़ती है इसलिए ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन बहुत आवश्यक है उन्होंने इटकौली वासियों को प्रतियोगिता का हिस्सा बनाने के लिए आभार ब्यक्त किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के आयोजक मोइन बाबू, वसीम भाई, पूर्व प्रधान इबरार अहमद, अकरम प्रधान, राजू भाई, इरशाद भाई, जावेद अख्तर आलोक उपाध्याय, दीपक पाठक समेत सैकड़ों खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

# अभी तक गिरफ्तार नहीं हुए व्यापारी के ऊपर प्राणघातक हमला करने के आरोपी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**कूरेभार/सुल्तानपुर।** दक्खिनवारा चौराहा कूरेभार के निवासी व्यापारी पंकज अग्रहरि, जिनके ऊपर पिछले दिनों जानलेवा हमला हुआ था। उक्त प्रकरण पर एफआईआर लिखे जाने के पांच दिन बाद भी किसी आरोपी की गिरफ्तारी अभी तक नहीं हुई। उधर प्राण घातक हमले के शिकार पंकज अग्रहरि की तबियत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज शहर के एक हास्पिटल में चल रहा है। अखिल भारतीय हमारा समाज पार्टी के संरक्षक रमेश कुमार मोदनवाल की सूचना पर राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य दिलीप अग्रहरि , प्रदेश मंत्री सुनील कसौधन ,जिलाध्यक्ष सुल्तानपुर राहुल कसौधन व जिला महामंत्री सुल्तानपुर अंकुर अग्रहरि हास्पिटल जाकर पीड़ति से मुलाकात किया और उसे ढांढस बंधाया। इस अवसर पर अखिल भारतीय हमारा

समाज पार्टी के संरक्षक रमेश कुमार मोदनवाल ने पुलिस प्रशासन से मांग किया कि पंकज अग्रहरि पर प्राणघातक हमला करने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे।

विदित हो कि पिछले दिनों पंकज अग्रहरि अपने दो बेटों के साथ अपनी मोटरसाइकिल से कूरेभार खरीदारी करने जा रहे थे, रास्ते में मियांगंज के पास स्थित एक ढाबा संचालक से उनका विवाद हो गया जिसके चलते दो नामजद आरोपी और तीन चार अज्ञात लोगों द्वारा पंकज अग्रहरि के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया गया। मार पिटाई से बचने के लिए जब पंकज अग्रहरि अपनी मोटरसाइकिल से भाग रहे थे तो आरोपियों ने अपनी कार से पीछा कर पटना चौराहे के पास पंकज अग्रहरि की मोटरसाइकिल में टक्कर मार कर उन्हें गिरा दिया और उन पर हाकी राड से पुनः जानलेवा हमला कर दिया। मामले में प्राथमिकी दर्ज हुए पांच दिन बीत गया है परंतु किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी अभी तक नहीं हुई है। पीड़ति व्यापारी पंकज अग्रहरि की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है जिनका इलाज शहर के एक हास्पिटल में चल रहा है।

# बाबा विश्वनाथ दरबार में पहुंचे सात लाख से अधिक श्रद्धालु, दर्शन के लिए लगी दो KM लंबी लाइन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**वाराणसी।** श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में हर रोज श्रद्धालुओं की संख्या रिकार्ड पार कर रही है। फाल्गुन के प्रथम सोमवार को बाबा दरबार में भारी भीड़ उमड़ी। रात नौ बजे तक ही 5,69,235 श्रद्धालुओं ने बाबा का दर्शन कर लिया था। यह संख्या इसी समय के सापेक्ष तीन दिनों में सर्वाधिक रही। रात एक बजे मंदिर बंद होने तक सवा सात लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ का दर्शन कर चुके थे।

मंदिर की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर और घाटों की ओर भी दो किमी से अधिक लंबी कतार हर ओर थी। श्रद्धालुओं के अविरल जनप्रवाह के चलते शहर में हर ओर पूरे दिन से देर रात तक जाम की स्थिति बनी रही। गोदौलिया से दशाश्वमेध, गोदोलिया से सोनारपुरा, रामापुरा, मैदागिन से बाबा दरबार व बाबा कालभैरव मंदिर से मैदागिन तक भक्तों की अटूट दोहरी कतार लगातार बनी हुई थी।

मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने कई वृद्ध भक्तों से बातचीत कर उनसे व्यवस्था के संबंध में फीडबैक लिया तो कतारों में वृद्धजनों व गोद में बच्चे लिए अभिभावकों के सुगम दर्शन की व्यवस्था कराई। मंदिर न्यास की ओर से धाम में आए बाल भक्तों को महादेव के आशीर्वाद रूपी चाकलेट, फलों के रस बांटने का क्रम जारी रहा।

### सोमवारीय संकल्प के अंतर्गत किया गया रूद्राभिषेक

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर द्वारा संकल्पित प्रत्येक सोमवार को रुद्राभिषेक आराधना का अटूट क्रम निरंतर जारी रहा। शास्त्रोक्त विधि से पूजन अर्चन के पश्चात मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण ने धाम में स्थित श्रीअविमुक्तेश्वर महादेव का रूद्राभिषेक किया। रुद्राभिषेक के पश्चात श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के शिखर की आरती की। इस दौरान रुद्र मंत्रोच्चार से धाम गुंजायमान रहा। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर से पूजन-अर्चन कर बाहर आतीं सोनल शाह, साथ में महापौर अशोक तिवारी।

### गृहमंत्री अमित शाह की पत्नी पहुंचीं बाबा दरबार, किया दर्शन-पूजन

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की पत्नी सोनल शाह सोमवार शाम श्रीकाशी विश्वनाथ धाम पहुंचीं। उन्होंने विधि-विधान से बाबा का दर्शन-पूजन किया। धाम परिसर का भ्रमण कर उसकी भव्यता को निहारा। उन्होंने धाम परिसर के सौंदर्य तथा व्यवस्था की सराहना की। काशी में उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में रहा ताकि कोई अव्यवस्था न हो। महापौर अशोक तिवारी साथ मौजूद थे।

# फैमिली आईडी बने होने के कारण पात्रता प्रभावित नही होगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुलतानपुर।** जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है कि प्रदेश के अध्यासित समस्त परिवारों को रोजगार का पर्याप्त अवसर प्रदान करने, लोक कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता एवं जनसामान्य हेतु संचालित योजनाओं/सेवाओं का आच्छादन बढ़ानें के उद्देश्य से ''फैमिली आई0डी0-एक परिवार एक पहचान योजना'' प्रारम्भ की गयी है। '''फैमिली आई0डी0-एक परिवार एक पहचान योजना''' के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा शासनादेश निर्गत किया गया था। इस शासनादेश में निम्नानुसार व्यवस्था की गयी थी। ''वर्तमान में उत्तर प्रदेश में अध्यासित लगभग 3.6 करोड़ परिवार एवं 15.00 करोड़ व्यक्ति राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से आच्छादित है। इन परिवारों की राशन कार्ड संख्या ही परिवार की आई0डी0 होगी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से आच्छादित न होने वाले ऐसे परिवार जो राशन कार्ड के पात्र नहीं हैं, उन्हें परिवार ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से परिवार आई0डी0 उपलब्ध कराने हेतु व्यवस्था की जायेगी। ''उक्त प्रावधान से यह भ्रान्ति उत्पन्न हो रही है कि फैमिली आई0डी0 बन जाने के बाद राशन कार्ड का लाभ नहीं मिल पायेगा। इस सम्बन्ध में निम्नानुसार स्थिति स्पष्ट की जाती है। राशन कार्ड से अनाच्छादित परिवार जो राशन कार्ड के पात्र हैं, परन्तु उनका राशन कार्ड नहीं बना है, वह फैमिली आई0डी0 पोर्टल के माध्यम से फैमिली आई0डी0 बनवा सकते हैं। फैमिली आई0डी0 बन जाने के उपरान्त पात्रतानुसार कभी भी राशन कार्ड बनाये जाने हेतु आवेदन कर सकते हैं। पूर्व से फैमिली आई0डी0 बने होने के कारण उनकी पात्रता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उनकी पात्रतानुसार राशन कार्ड बनाया जा सकता है। राशन कार्ड से अनाच्छादित परिवार जिनकी पोर्टल के माध्यम से फैमिली आई0डी0 बनायी गयी है, उन परिवारों का राशन कार्ड बन जाने के उपरान्त राशन कार्ड संख्या ही उनकी फैमिली आई0डी0 होगी। राशन कार्ड निर्गत होने के उपरान्त राशन कार्ड की सुविधायें परिवारों द्वारा प्राप्त की जा सकेंगी। कतिपय प्रकरणों में राशन कार्ड धारक परिवार के पात्र न रह जाने की दशा में भी राशन कार्ड संख्या के पांचवीं डिजिट के स्थान पर अंक 8 तथा शेष समस्त अंक राशन कार्ड संख्या की ही भांति समान रखते हुए फैमिली आई0डी0 निर्गत की जायेगी।

# मिल्कीपुर से जीते चंद्रभानु पासवान ने विधायक पद की शपथ ली, विधानसभा अध्यक्ष ने दिलाई शपथ

## कांग्रेस ने सरकार के अभिभाषण को बताया ' झूठ का पुलिंदा ', राज्यपाल की नाराजगी का किया दावा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** अयोध्या जिले की मिल्कीपुर विधानसभा सीट से जीत दर्ज करने वाले भाजपा नेता चंद्रभानु पासवान ने विधायक पद की शपथ ली। उन्हें विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही में भाग लिया।

यूपी विधानसभा का बजट सत्र मंगलवार से प्रारंभ हो गया है। सत्र का पहला दिन हंगामेदार रहा। सत्र का प्रारंभ राज्यपाल के अभिभाषण से हुआ लेकिन हंगामे के कारण राज्यपाल अपना पूरा अभिभाषण नहीं पढ़ सकीं। सदन में विपक्ष के इस व्यवहार की सत्ता पक्ष के लोगों ने आलोचना करते हुए इसे निंदनीय करार दिया।

### नेता प्रतिपक्ष ने दी सफाई, बोले- राज्यपाल के अभिभाषण में झूठे आंकड़े दिए गए

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और सपा नेता माता प्रसाद पांडे ने बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर कहा कि उनके अभिभाषण में जो पढ़ा जा रहा था, समाजवादी पार्टी ने उसका विरोध किया। क्योंकि, उसमें झूठे आंकड़े दिए गए थे। मांग हो रही थी कि महाकुंभ की भगदड़ में जो मौतें हो रही हैं, उसके सही आंकड़ों को बताया जाए। राज्यपाल आधा भाषण छोड़कर चली गईं। हमें लगता है कि वे महाकुंभ में हुई घटनाओं से दुखी थीं, इसलिए उन्होंने पूरे भाषण को पढ़ा ही नहीं।

### उपमुख्यमंत्री बोले- विपक्ष का आचरण गैर जिम्मेदाराना

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर कहा कि विपक्ष का आचरण गैर-जिम्मेदाराना है। राज्यपाल के अभिभाषण के माध्यम से प्रदेश में जो सरकार काम कर रही है, उसकी जानकारी दी जाती है। समाजवादी पार्टी का आचरण सदा ऐसा ही रहा है कि वे महामहिम राज्यपाल का आदर करने के बजाय हल्लाबोल करते हैं। समाजवादी पार्टी ने यह दिखा दिया कि वे एक जिम्मेदार राजनीतिक दल कम और अराजकता फैलाने वाला दल ज्यादा है।

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल के अभिभाषण को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' ने कहा कि राज्यपाल ने सरकार की नीतियों और कार्यशैली को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने दावा किया कि सरकार के अभिभाषण में सच से दूर झूठे दावों को जगह दी गई, जिसे राज्यपाल ने भी स्वीकारना उचित नहीं समझा और महज दो पन्ने पढ़कर अभिभाषण समाप्त कर दिया।आराधना मिश्रा ने कहा कि

प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा, दलितों-पिछड़ों के साथ अन्याय, भ्रष्टाचार और पेपर लीक जैसी गंभीर समस्याओं पर सरकार का रवैया उदासीन है। राज्यपाल भी इस सच्चाई से परिचित हैं और संभवतः इसी कारण उन्होंने पूरे अभिभाषण को पढ़ने से परहेज किया।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार 'डबल इंजन' का दावा करती है, लेकिन प्रदेश में अपराध, लूट, हत्या, बलात्कार, जातीय हिंसा और भ्रष्टाचार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। सरकार महंगाई और बेरोजगारी पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रही है। किसानों को खाद और बीज पर छूट देने की घोषणाएं केवल कागजों तक सीमित हैं, गन्ना किसानों को पूरा भुगतान नहीं मिल पा रहा, और छुट्टा पशुओं से फसलों की सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रदेश में सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता खत्म हो गई है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में आरक्षण व्यवस्था की अनदेखी की जा रही है, वहीं ठेकेदारी प्रथा लागू होने से सरकारी नौकरियों में असुरक्षा बढ़ गई है। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बदहाल हैं, लाखों शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं, और अस्पतालों में दवाइयों व संसाधनों की भारी कमी है।आराधना मिश्रा ने कहा कि भाजपा सरकार केवल धार्मिक ध्रुवीकरण के एजेंडे पर काम कर रही है, जिससे प्रदेश की युवा प्रतिभाएं हताश और बेरोजगार हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले साल का बजट भी सरकार खर्च नहीं कर पाई, जिससे उसकी अक्षमता और इच्छाशक्ति की कमी साफ झलकती है।

## परीक्षा में फर्जीवाड़े का आरोपी अब भी फरार, पुलिस ने की उद्घोषणा कार्रवाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** चिनहट थाना क्षेत्र में परीक्षा में फर्जी अभ्यर्थी बनकर शामिल होने के मामले में फरार चल रहे आरोपी लोकेन्द्र पुत्र महिपाल के खिलाफ पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर उद्घोषणा की कार्रवाई पूरी कर ली है। यह मामला उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम समेत विभिन्न आपराधिक धाराओं में दर्ज है, जिसमें एक अन्य आरोपी पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।यह मामला 3 फरवरी 2024 का है, जब इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर साइंस, रजत वीमेन कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट में आयोजित परीक्षा के दौरान गड़बड़ी सामने आई थी। परीक्षा पर्यवेक्षक दिवाकर ने एक अभ्यर्थी की गतिविधियों को संदिग्ध पाया और जांच करने पर पता चला कि सौरभ कुमार नामक युवक फर्जी दस्तावेजों के आधार पर असली अभ्यर्थी लोकेन्द्र के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। प्रवेश पत्र और आधार कार्ड कूट रचित पाए जाने के बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सौरभ को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन लोकेन्द्र फरार हो गया।इस मामले में चिनहट थाने में मुकदमा दर्ज किया गया और पुलिस ने लोकेन्द्र की तलाश शुरू की। बार-बार दबिश के बावजूद जब वह हाथ नहीं आया, तो न्यायालय एसीजेएम तृतीय, लखनऊ ने 5 फरवरी 2025 को उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया और 82 दंप्रसं के तहत उद्घोषणा पत्र निर्गत किया। चिनहट पुलिस ने 11 फरवरी को नियमानुसार उद्घोषणा की कार्रवाई पूरी कर दी, जिसमें आरोपी के घर और सार्वजनिक स्थानों पर नोटिस चिपकाए गए और मुनादी कराई गई।पुलिस अब आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर रही है। इस पूरी कार्रवाई में चिनहट थाने के उपनिरीक्षक कपिल कुमार, अमरोहा के धनौरा थाना क्षेत्र के शेरपुर चौकी प्रभारी नीरज कुमार और कांस्टेबल अभिषेक कुमार की अहम भूमिका रही।

## बसपा प्रमुख मायावती पर अभद्र टिप्पणी के खिलाफ बसपाइयों का प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती पर अभद्र टिप्पणी करने के विरोध में बसपा समर्थकों ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस नेता डॉ उदित राज के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने और गिरफ्तार करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों अपनी मांग से संबंधित ज्ञापन राज्यपाल को प्रेषित किया।

बसपा अध्यक्ष मायावती का अपमान किए जाने के विरोध में युवा साथी टीम के बैनर तले हजरतगंज चौराहे पर एकत्र हुए बसपा समर्थकों ने कांग्रेस नेता उदित राज के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने उदितराज पर मायावती को धमकी देने और उनके खिलाफ अपशब्द कहे जाने का आरोप लगाया।

प्रदर्शन में शामिल डॉ अनूप अंबेडकर ने कहा कि मायावती बहुजन समाज की सर्वमान्य नेता ही नहीं, बल्कि इस देश के करोड़ों मजलूमों, कमजोरों और शोषितों के लिए मसीहा स्वरूप हैं। वो भारतीय राजनीति की सम्मानित शख्सियत हैं। उन्होंने कहा कि मायावती प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रहने के साथ विधानसभा, राज्यसभा और लोकसभा को भी अपनी उपस्थिति से सुशोभित करती रहीं हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता उदित राज ने सोमवार को एक इंटरव्यू के दौरान मायावती को अति निंदनीय भाषा में धमकी देते हुए कहा था कि मायावती का गला घोंटने का वक्त आ गया है। उन्होंने उदितराज के बयान को बहुजन समाज और मायावती का अपमान करार दिया। कहा कि इससे बहुजन समाज में रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि उदित राज पहले भी कई इंटरव्यू और सार्वजनिक भाषणों में भी बहुजन समाज और बहुजन समाज पार्टी का अपमान करते रहे है। उन्होंने राज्यपाल से कांग्रेस नेता उदित राज के ऊपर सख्त कानूनी कार्रवाई करने और उनको जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। इस मौके पर रेखा आर्य मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

## यात्रियों से सुरक्षित रेल यात्रा हेतु अपील

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल के मण्डल रेल प्रबंधक श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में गोरखपुर जंक्शन पर रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम द्वारा यात्री सुरक्षा और संरक्षित ट्रेन परिचालन के लिए नियमित मानीटरिंग की जा रही है। इसके साथ ही मण्डल कार्यालय लखनऊ कंट्रोल रूम में 24 घंटे मानीटरिंग हेतु अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है।मण्डल रेल प्रशासन ने अपने सभी सम्मानित रेल यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन परिसर में बिना वैध यात्रा टिकट या प्लेटफार्म टिकट के प्रवेश न करें और ट्रेन में यात्रा के दौरान उचित टिकट लेकर अपने निर्धारित कोच में ही यात्रा करें। यदि कोई यात्री यात्रा नियमों का उल्लंघन करता है, तो उनके खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।यात्रियों से यह भी अपील की गई है कि वे यात्रा के दौरान कम सामान लेकर चलें और अपने साथ विस्फोटक और ज्वलनशील वस्तुएं जैसे स्टोव, गैस सिलेंडर, आतिशबाजी का सामान, पेट्रोल और डीजल न लेकर चलें, क्योंकि ऐसा करना दंडनीय अपराध है। इस प्रकार की वस्तुओं के साथ यात्रा करने पर रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी।यात्रीगण कृपया रेलवे ट्रैक को केवल निर्धारित स्थान से ही पार करें और प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए फुट ओवर ब्रिज का उपयोग करें। फुट ओवर ब्रिज पर भीड़ न जमा करें और रेलवे ट्रैक के किनारे भी भीड़ एकत्रित न करें। इसके अलावा, रेल यात्रा के दौरान ट्रेन की छतों, पाददान और इंजन पर यात्रा करना भी प्रतिबंधित है।रेल यात्रा के लिए टिकट केवल अधिकृत माध्यम से ही खरीदें और बिना टिकट यात्रा करना दंडनीय अपराध है।

## छात्रवृत्ति वितरण में ऐतिहासिक बदलाव, विद्यार्थियों को समय पर मिलेगी वित्तीय सहायता

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप के निर्देश पर छात्रवृत्ति वितरण प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब यह सहायता मार्च के बजाय दिसंबर में ही प्रदान की जा रही है, जिससे लाखों विद्यार्थियों को समय पर वित्तीय सहयोग मिल रहा है और उनकी शिक्षा निर्बाध रूप से जारी रह सकेगी। इस ऐतिहासिक फैसले के साथ पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग दिसंबर में ही छात्रवृत्ति देने वाला प्रदेश का पहला विभाग बन गया है।मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बताया कि सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में ही आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है ताकि वे बिना किसी वित्तीय बाधा के अपनी पढ़ाई सुचारू रूप से जारी रख सकें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 03 दिसंबर 2024 को 2,53,211 विद्यार्थियों के खातों में पीएफएमएस प्रणाली के माध्यम से ₹54.38 करोड़ की धनराशि स्थानांतरित की, जिससे विद्यार्थियों को काफी राहत मिली। इसके बाद 29 जनवरी 2025 को 4,22,638 छात्रों को ₹89.25 करोड़ की राशि हस्तांतरित की गई। इस प्रकार कुल 6,75,849 विद्यार्थियों को ₹143.63 करोड़ की छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।उच्च शिक्षा के लिए भी सरकार ने बड़ी धनराशि आवंटित की है। 31 दिसंबर 2024 को 1,53,182 छात्रों को ₹46.56 करोड़, 29 जनवरी 2025 को 50,414 छात्रों को ₹15.71 करोड़, 14 फरवरी 2025 को 3,67,601 छात्रों को ₹1092.58 करोड़ और 18 फरवरी 2025 को ₹290.17 करोड़ की राशि दी गई। इस तरह कुल 6,74,280 विद्यार्थियों को ₹2005.53 करोड़ की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बताया कि सरकार ने छात्रवृत्ति वितरण में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए पीएफएमएस प्रणाली को लागू किया है। इस प्रणाली के माध्यम से छात्रवृत्ति की धनराशि सीधे विद्यार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जा रही है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई है और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी हुई है।राज्य सरकार विद्यार्थियों के समग्र विकास और शिक्षा में उन्नति को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। यह पहल विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी जो आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं और अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता रखते हैं। इस फैसले से प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच दोनों में सुधार होगा, जिससे अधिकाधिक छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित होंगे।

## प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय नृत्य और संगीत महोत्सव का आयोजन, 11 देशों के कलाकार करेंगे प्रस्तुति

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** वसुधैव कुटुंबकम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 22-23 फरवरी को प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय नृत्य और संगीत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस भव्य आयोजन में भारत समेत 11 देशों के कलाकार अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समृद्ध कला और परंपराओं का प्रदर्शन करेंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे।मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह महोत्सव भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गौरवशाली इतिहास को वैश्विक मंच पर साझा करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। इसके तहत 19 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय कलाकार लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान स्थित जुपिटर हॉल में पूर्वाभ्यास करेंगे और 20 फरवरी को वहीं अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके बाद 22-23 फरवरी को प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान गंगा पंडाल सहित अन्य मंचों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी।इस महोत्सव में भारत के अलावा दक्षिण अफ्रीका, मंगोलिया, वियतनाम, फीजी, मलेशिया, किर्गिस्तान, रूस, रवांडा, बांग्लादेश और मालदीव के कलाकार अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी समृद्ध परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं को उजागर करेंगे। यह महोत्सव विभिन्न देशों की कला शैलियों और संगीत परंपराओं को साझा करने के साथ-साथ वैश्विक सांस्कृतिक विविधता को समझने और सराहने का अवसर प्रदान करेगा।भारत सदियों से सत्य, अहिंसा, प्रेम, करुणा और आपसी सौहार्द का संदेश देता आया है।

## शिवपाल बोले– 144 साल बाद महाकुंभ का जिक्र शास्त्रों में कहीं नहीं है... आस्था से खिलवाड़ कर रही भाजपा

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** यूपी विधानसभा सभा का बजट सत्र सोमवार से प्रारंभ हो गया है। सत्र के पहले ही दिन सपा ने भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि महाकुंभ के नाम पर भाजपा ने लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया है। शास्त्रों में 144 साल बाद महाकुंभ का कहीं भी जिक्र नहीं किया गया है। ये लोग सनातन धर्म का दिखावा करके लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ में अव्यवस्थाओं का बोलबाला है। सरकारी पैसे का दुरुपयोग पीआर के लिए किया गया है। ऐसी सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए।

### हंगामेदार रही बजट सत्र की शुरुआत

वहीं, बजट सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सत्र के प्रारंभ अपने अभिभाषण को पूरा नहीं पढ़ सकीं। उनके अभिभाषण के दौरान विपक्ष के लोग राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगाते रहे। सत्ता पक्ष ने विपक्ष के इस व्यवहार की निंदा की। यूपी के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि विपक्ष का रवैया बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना है। इनका काम विरोध करना है, ये हर बात में नेगेटिव सोचते हैं।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विपक्ष का आचरण गैर-जिम्मेदाराना है। राज्यपाल के अभिभाषण के माध्यम से प्रदेश में जो सरकार काम कर रही है उसकी जानकारी दी जाती है। समाजवादी पार्टी का आचरण सदा ऐसा ही रहा है कि वे महामहिम राज्यपाल का आदर करने के बजाय हल्लाबोल करते हैं... समाजवादी पार्टी ने यह दिखा दिया कि वे एक जिम्मेदार राजनीतिक दल कम और अराजकता फैलाने वाला दल ज्यादा है।

## रफ़ी अहमद किदवई की जयंती पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** स्वतंत्रता सेनानी रफ़ी अहमद किदवई की जयंती के अवसर पर आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री श्री अजय राय जी ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर रफ़ी अहमद किदवई जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।अपने सम्बोधन में अजय राय जी ने कहा कि रफ़ी अहमद किदवई ने वर्ष 1920 में खिलाफत आंदोलन में भाग लिया और इसके बाद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के आह्वान पर असहयोग आंदोलन में भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि किदवई जी ने वर्ष 1946 में उत्तर प्रदेश सरकार (अंतरिम सरकार) में गृह मंत्री के रूप में कार्य किया और बाद में जवाहरलाल नेहरू की सरकार में खाद्य एवं कृषि मंत्री का कार्यभार संभाला। उनके कार्यकाल के दौरान खाद्यान्न की भारी किल्लत थी, और उन्होंने इस समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण कार्य किए।श्री राय ने यह भी बताया कि रफ़ी अहमद किदवई जी ने कैंसर देखभाल के लिए बैंगलोर में किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी की स्थापना में भी अहम भूमिका निभाई, जो आज एक प्रमुख संस्थान के रूप में कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर मीडिया विभाग के चेयरमैन और पूर्व मंत्री डॉ. सी.पी. राय, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश मिश्रा, सेवादल कांग्रेस मध्य जोन के अध्यक्ष सुशील तिवारी सोनू, डॉ. रिचा शर्मा, डॉ. आशीष दीक्षित, मेहताब जायसी, पं. अनोखे लाल तिवारी सहित अन्य प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

### गृहक्लेश में पति ने की पत्नी की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

**लखनऊ।** मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम आनंदपुर मजरा हुलासखेड़ा में पारिवारिक विवाद के चलते पति ने अपनी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।पुलिस के अनुसार, मृतका कंचन (30) की शादी लगभग 12 वर्ष पूर्व राजकुमार (पुत्र प्यारे) से हुई थी। उनके तीन बच्चे हैं। परिजनों के मुताबिक, बीती रात किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जो मारपीट में बदल गया। गंभीर चोटें लगने के कारण कंचन की मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज, थाना प्रभारी और पुलिस बल मौके पर पहुंचे। फील्ड यूनिट को भी जांच के लिए बुलाया गया। मृतका के परिजनों को सूचित कर दिया गया, जो मौके पर पहुंच गए हैं।

## काकोरी पुलिस ने ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत अभियुक्त को 20 वर्ष की सजा दिलाई

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** पुलिस कमिश्नरेट के ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत थाना काकोरी पुलिस और अभियोजन विभाग के संयुक्त प्रयास से माननीय न्यायालय ने पाक्सो एक्ट और धारा 376 ए, बी भादवि के अभियुक्त को 20 वर्ष के कठोर कारावास और 1,00,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।उत्तर प्रदेश में अपराधियों को कठोरतम सजा दिलाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर लखनऊ और संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) के निर्देशन में अभियुक्तों के विरुद्ध सघन पैरवी की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) विश्वजीत श्रीवास्तव, अपर पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) धनंजय कुशवाहा, सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी शकील अहमद और थाना काकोरी प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में प्रभावी पैरवी की गई।पीड़िता की शिकायत पर 6 मई 2019 को अभियुक्त शुभम रावत पुत्र लखमीचंद्र निवासी मौंदा, थाना काकोरी के विरुद्ध धारा 376 ए, बी भादवि व 5/6 पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य एकत्रित कर 5 जुलाई 2019 को न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया। विचारण के दौरान पीड़िता और अन्य गवाहों के बयान को आधार मानते हुए माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) ने अभियुक्त को दोषसिद्ध करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास और 1,00,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।इस मामले में प्रभावी पैरवी के लिए थाना काकोरी के प्रभारी निरीक्षक नवाब अहमद और पैरोकार कांस्टेबल प्रवीण कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट द्वारा अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए आगे भी इसी प्रकार की प्रभावी पैरवी जारी रखी जाएगी। पुलिस विभाग का उद्देश्य अपराध पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित कर न्याय दिलाना है, जिससे समाज में कानून व्यवस्था और सशक्त हो सके।

## प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में कौशल प्रशिक्षण के लिए प्रोजेक्ट प्रवीण का वृहद संचालन

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** प्रदेश में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए प्रोजेक्ट प्रवीण कार्यक्रम को व्यापक रूप में संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत प्रदेश के 650 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को प्रत्येक शिक्षण दिवस में डेढ़ घंटे का कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

विभाग के प्रमुख सचिव, डॉ. हरिओम ने इस संबंध में सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। इस योजना के अंतर्गत आईटी, ब्यूटी और वेलनेस, ऑटोमोटिव, बैंकिंग एवं फाइनेंस, कारपेट एवं हैंडीक्राफ्ट, हेल्थकेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलीकम्युनिकेशन, मीडिया एवं एंटरटेनमेंट, पावर, रिटेल, खेल-कूद और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में अल्पकालिक कौशल पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन में सूचीबद्ध उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण प्रदाताओं को चिन्हित कर विद्यालय आवंटित किए जाएंगे। प्रोजेक्ट प्रवीण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में कौशल के महत्व को उजागर करना है, जिससे वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें और अपने उद्यम स्थापित कर सकें। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर का कौशल प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा।कार्यक्रम के प्रभावी संचालन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं। जिन्हें महानिदेशक, स्कूल शिक्षा और मिशन निदेशक, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया है।

# आखिर कौन, कैसे और कब तक पाएगा भीड़ से उत्पन्न भगदड़ पर काबू?

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी शनिवार की रात प्रयागराज महाकुंभ जाने को उतावली भीड़ ने ऐसी भगदड़ मचाई कि लगभग डेढ़ दर्जन लोगों की जान चली गई, जबकि दर्जनाधिक घायल भी हुए। इस बार भी मृतकों में महिलाओं (10) और बच्चों (3) की संख्या ज्यादा रही, जबकि पुरुषों (2) की संख्या उनसे कम रही। वहीं, दर्जनाधिक घायलों में भी लगभग 14 महिलाएं समेत कुल 25 लोग शामिल हैं। ये महज आंकड़े नहीं हैं, बल्कि हमारी संवेदनाशून्य व्यवस्था की विफलता के नमूने मात्र हैं। ऐसी घटनाओं पर आखिर कौन, कैसे और कबतक काबू पाएगा, यह यक्ष प्रश्न ब्रेक के बाद पुनः समुपस्थित है।

ऐसा इसलिए कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में भगदड़ के कई मामले सामने आए हैं। वहीं, इस बार तो महज एक महीने के अंदर ही भगदड़ के दो-दो मामले सामने आ चुके हैं, जो कि प्रशासन के लिए चिंता का विषय है। सवाल है कि जब महाकुंभ की तैयारियों को लेकर उत्तरप्रदेश प्रशासन लगातार डींगें हांक रहा था और केंद्र सरकार अपनी पीठ थपथपा रही थी, तब ऐसी हृदयविदारक घटनाओं का घटित होना उसकी तमाम व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान लगा जाता है। सवाल यह भी है कि तमाम सकारात्मक राजनीतिक इच्छाशक्ति के बावजूद इतनी बड़ी प्रशासनिक चुकें कैसे हो गईं। हैरत की बात तो यह है कि प्रारम्भिक तौर पर मीडिया माध्यमों में रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी ऐसी किसी घटना व हताहतों के बारे में इंकार कर रहे थे, लेकिन सच्चाई अंत में उन्हें भी बयां करनी ही पड़ी। इससे समझा जा सकता है कि उनका सूचना तंत्र कितना विफल या फिर लोकहित विरोधी है। भले ही इन घटनाओं पर बड़े नेतागण और अधिकारियों के द्वारा खेद प्रकट किया गया हो, जिनके पास वैध टिकट होंगे, उन्हें रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल से मुआवजे भी मिल जाएंगे। लेकिन इससे उन परिवारों की व्यथा कम नहीं हो जाती, जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है या फिर जिनके परिजन अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।

बताया गया है कि सभी लोग नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में प्रयागराज के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए खड़े हुए थे। तभी ट्रेन सम्बन्धी उद्घोषणा के बाद प्लेटफार्म पर अफरातफरी और भगदड़ मच गई। ऐसे में सवाल है कि देश की राजधानी नई दिल्ली जैसे मुख्य रेलवे स्टेशन पर रेल प्रशासन ने समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की थी। अब भले ही इसकी जांच होगी, पर परिणाम ढाक के तीन पात जैसे ही होंगे! जाहिर है कि भीड़ और भगदड़ में अन्योन्याश्रय का सम्बन्ध है। लेकिन इनके नियंत्रण के समुचित उपाय कब तक दिखेंगे, किनके नेतृत्व में सब होगा, कुछ पता नहीं। तब तक ब्रेक के बाद होने वाले हादसों पर सवाल उठाते रहिए, चुनाव दर चुनाव राजनीतिक नेतृत्व बदलते रहिए, लेकिन ये अधिकारी हैं, जिनका सिर्फ तबादला होगा। क्योंकि उनकी जानलेवा लापरवाहियों के बावजूद उन्हें जिम्मेदार ठहराने के कानूनी प्रबंध नदारत हैं। बता दें कि गत 29 जनवरी 2025 को प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 में मौनी अमावस्या से ठीक पहले भी एक दुःखद भगदड़ मची थी, जहां लगभग 30 लोगों की मौत हो गई थी और तकरीबन 60 लोग घायल हो गए थे।

दरअसल, महाकुंभ मेले में ये हादसा 29 जनवरी के तड़के हुआ था, जब सभी लोग संगम नोज की तरफ नहाने के लिए जा रहे थे। तब यहां भी लाखों लोगों की भीड़ बेकाबू हो चुकी थी। जिसके बाद आनन-फानन में वीवीआईपी व्यवस्था बदल दी गई और अखाड़ों ने भी मौनी अमावस्या के लिए अपने पारंपरिक 'अमृत स्नान' को रद्द कर दिया और दोपहर बाद 'अमृत स्नान' किया। इससे भी धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन सम्बन्धी सवाल उठे थे। यहां भी एक न्यायिक जांच आयोग का गठन करके प्रशासनिक खाना पूर्ति कर दी गई है। इसलिए भीड़ नियंत्रण सम्बन्धी विफलताओं पर जनसामान्य की चिंता ज्यादा बढ़ गई है।

वहीं, गत 8 जनवरी, 2025 को आंध्र प्रदेश के तिरुपति में मची भगदड़ में कम से कम 6 भक्तों की मौत हो गई थी, जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए थे, क्योंकि सैकड़ों लोग तिरुमाला पहाड़ियों पर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए टिकट पाने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे। बताया गया था कि तब 10 जनवरी से शुरू होने वाले 10 दिवसीय वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए देश भर से सैकड़ों भक्त यहां आए थे।

यदि आप पिछले कुछ वर्षों में भारत में हुई प्रमुख भगदड़ की घटनाओं की सूची खंगालेंगे तो पता चलेगा कि साल-दो साल बाद ऐसी घटनाओं की एक लंबी फेहरिस्त है। यदि पिछले दो दशकों की प्रमुख भगदड़ सम्बन्धी घटनाओं पर गौर करें तो 27 अगस्त, 2003 को महाराष्ट्र के नासिक में कुंभ मेले में भगदड़ के दौरान जहां 39 लोगों की मौत हो गई थी वहीं, 140 अन्य घायल हो गए थे। इसी प्रकार 25 जनवरी, 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के वाई शहर स्थित मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ के दौरान 300 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 100 अन्य लोग घायल हो गए थे। ये भगदड़ मंदिर तक जाने वाली सीढ़ियों में फिसलन भरी होने के कारण मची थी।

# मन्दिरों एवं धर्म-स्थलों में वीआईपी संस्कृति समाप्त हो

**ललित गर्ग**

**महाकुंभ हो या मन्दिर, धार्मिक आयोजन हो या कीर्तन-प्रवचन भगदड़ के कारण जो दर्दनाक हादसे होते रहे हैं, जो असंख्य लोगों की मौत के साक्षी बने हैं, उसने वीआईपी कल्चर पर एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है।**

मन्दिरों, धर्मस्थलों एवं धार्मिक आयोजनों में वीआईपी संस्कृति एवं उससे जुड़े हादसों एवं त्रासद स्थितियों ने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। मौनी अमावस्या महाकुंभ में भगदड़ के चलते तीस लोगों की मौत ने ऐसे मौकों पर कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। बात केवल महाकुंभ की नहीं है, बल्कि अनेक प्रतिष्ठित मन्दिरों में वीआईपी संस्कृति के चलते होने वाले हादसों एवं आम लोगों की मौत ने अनेक सवाले खड़े किये हैं। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों महाकुंभ में वीआईपी स्नान के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। क्यों एक विधायक अपने पद का वैभव प्रदर्शित करते हुए महाकुंभ में कारों के बड़े काफिले के साथ घूमते एवं स्नान करते हुए, पुलिस-सुविधा का बेजा इस्तेमाल करते हुए एवं सेल्फी लेते हुए करोड़ लोगों की भीड़ का मजाक बनाते रहे? सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है।

महाकुंभ हो या मन्दिर, धार्मिक आयोजन हो या कीर्तन-प्रवचन भगदड़ के कारण जो दर्दनाक हादसे होते रहे हैं, जो असंख्य लोगों की मौत के साक्षी बने हैं, उसने वीआईपी कल्चर पर एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी दर्शन क्यों जरूरी है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया का करण बनता है? योगी सरकार ने मौनी अमावस्या के दिन हुए हादसे से सबक लेते हुए भले ही वीआईपी सिस्टम पर रोक लगायी हो, लेकिन इस रोक के बावजूद महाकुंभ में वीआईवी संस्कृति बाद में भी पूरी तरह हावी रही है। महाकुंभ हो या प्रसिद्ध मन्दिर वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 7 जनवरी को ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। उन्हें ऐसे हासदे की उम्मीद भी नहीं रही होगी। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है। यह एक अतिक्रमण है। यह मानवाधिकारों का हनन है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों में तो बिल्कुल भी नहीं।

देश की कानून व्यवस्था एवं न्यायालय भी देश में बढ़ती वीआईपी संस्कृति को लेकर चिन्तीत है। मद्रास उच्च न्यायालय की मुदुरै पीठ ने अपनी एक सुनवाई के दौरान कहा भी है कि लोग वीआईपी संस्कृति से 'हताश' हो गए हैं, खासतौर पर मंदिरों में। इसके साथ ही अदालत ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिरों में विशेष दर्शन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किए। राजस्थान में गहलोत सरकार ने भी मन्दिरों में वीआईपी दर्शनों की परम्परा को समाप्त करने की घोषणा की थी कि मन्दिरों में बुजुर्ग ही एकमात्र वीआईपी होंगे। इस तरह की सरकारी घोषणाएं भी समस्या का कारगर उपाय न होकर कोरा दिखावा होती रही है। अक्सर नेताओं एवं धनाढ्यों को विशेष दर्शन कराने के लिए मंदिर परिसरों को आम लोगों के लिये बंद कर दिया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है, लोग वास्तव में इससे दुखी होते हैं और कोसते हैं। वीआईपी लोगों को तरह-तरह की सुविधाएं दी जाती है, मन्दिर के मूल परिसर-गर्भ परिसर में दर्शन कराये जाते हैं, उनके वाहन मन्दिर के दरवाजे तक जाते हैं, उनके साथ पुलिस-व्यवस्था रहती है, जबकि आम श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर पैदल चलना होता है, भगवान के दर्शन दूर से कराये जाते हैं, उनके साथ धक्का-मुक्की की जाती है।

तीर्थस्थलों और गंगा स्नान में वीआईपी संस्कृति की बात कि जाये तो महाकुंभ मेले प्रयागराज, हरिद्वार या वाराणसी जैसे तीर्थस्थलों पर आम श्रद्धालुओं को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन वीआईपी के लिए अलग घाट बना दिये जाते हैं। जहां आम लोग भीड़ में संघर्ष करते हैं, वहीं खास लोगों के लिए विशेष स्नान व्यवस्था, सुरक्षा घेरा और सुविधाएं मुहैया कराई जाती है। कई बार वीआईपी के स्नान के लिए आम श्रद्धालुओं को घंटों रोका जाता है, जिससे भीड़ में अफरातफरी तक मच जाती है। सवाल ये हैं कि जहां करोड़ों लोग जुट रहे हों, वहां आम श्रद्धालुओं की असुविधा को बढ़ाकर वीआईपी स्नान जैसी व्यवस्था क्यों? वीआईपी स्नान के बेहूदे एवं शर्मनाक प्रदर्शन की टीस महाराज प्रेमानंद गिरि के शब्दों में दिखी जब उन्होंने कहा कि प्रशासन का पूरा ध्यान वीआईपी पर था। आम श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। उनका आरोप है कि पूरा प्रशासन वीवीआईपी की जी-हुजूरी में लगा रहा, तुष्टीकरण में लगा रहा।

मोदी के शासन-काल में हिन्दू मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों के लिये जनता का आकर्षण बढ़ा है, बात चाहे श्रीराम मन्दिर अयोध्या की हो या महाकुंभ की या ऐसे ही अन्य धर्मस्थलों की, करोड़ों की संख्या में आम लोग इन स्थानों तक पहुंच रहे हैं, लेकिन ईश्वर के दर्शन भी उनके लिये दोयम दर्जा एवं असमानता लिये हुए है। देश की आजादी के बाद सरकार ने कुछ मंदिरों में ट्रस्ट के माध्यम से व्यवस्था अपने हाथों में ली। शुरुआत में तो सभी मंदिर आम आदमी के लिये सुगम थे लेकिन धीरे धीरे अब इसमें प्रशासन के लोग अपनी घुसपैठ जमाने लगे। भीड़ भाड़ की स्थिति में अपने लोगों, अधिकारियों एवं नेताओं के लिए अलग से व्यवस्था का इंतजाम करने लगे। धीरे-धीरे ये राजनेताओं, मंत्रियों, अधिकारियों के वीआईपी दर्शन का आधार बनने लगे। इसका स्वरूप फिर से एक बार और बदला और एक नई संस्कृति का उदय हुआ और वह था वीआईपी दर्शन जो उनलोगों के लिए था जो एक विशेष शुल्क देकर उसका लाभ उठा सकते हैं, यानि भगवान के दरबार में भी दो तरह की व्यवस्था हो गई। एक आम जनता के लिए और एक उन लोगों के लिए जो आर्थिक रूप से सक्षम हों। एक आम आदमी जो घंटों लाइन में लगने के बाद मंदिर के अंदर प्रवेश करता है तो उसे बाहर से ही दर्शन करने के लिए बाध्य किया जाता है जैसे वह कोई अछूत हो और वहीं दूसरी ओर आपके सामने ही कुछ वीआईपी लोग बड़े आराम से मंदिर के गर्भगृह में दर्शन लाभ करते हुए नजर आते हैं।

लगता है मन्दिरों में दर्शन एवं धार्मिक आयोजनों में सहभागिता को लेकर आम आदमी गुलामी की मानसिकता को ही जी रहा है। इन स्थानों पर उसके स्वाभिमान, सम्मान एवं समानता को बेरहमी से कुचला जा रहा है। ये कैसा मंदिर और ये कैसा दर्शन जहाँ सरेआम आम दर्शनार्थी का अपमान हो रहा है। भगवान के मंदिर में वीआईपी व्यवस्था का क्या औचित्य है? इसलिए जिस भी मंदिर में वीआईपी दर्शन की सुविधा दी जा रही है उसके खिलाफ जनक्रांति हो। आज हिन्दू मन्दिरों की भेदभाव पूर्ण दर्शन-व्यवस्था को समाप्त करके ही आम आदमी को उसका उचित सम्मान किया जा सकता है, उसकी निराशा एवं पीड़ा को समझा जा सकता है। उन्नत राष्ट्र-चरित्र निर्मित को निर्मित करते हुए सबसे बड़ी जरूरत है कि पास, धन के बल अथवा राजनीतिक वर्चस्व के लिए हकदार का, गुणवंत का, आम आदमी का हक नहीं छीना जाए। अन्यथा आम आदमी के अन्तर पनप रहा यह विद्रोह एवं असंतोष किसी बड़ी क्रांति का कारण न बन जाये? भाजपा सरकार मन्दिरों एवं धार्मिक-स्थलों से वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने के लिये कोई ठोस कदम उठाये।

**अजब-गजब**

# ऐसी अलमारी नहीं देखी होगी, वायरल VIDEO देख पब्लिक बोली- 'कितने तेजस्वी लोग हैं'

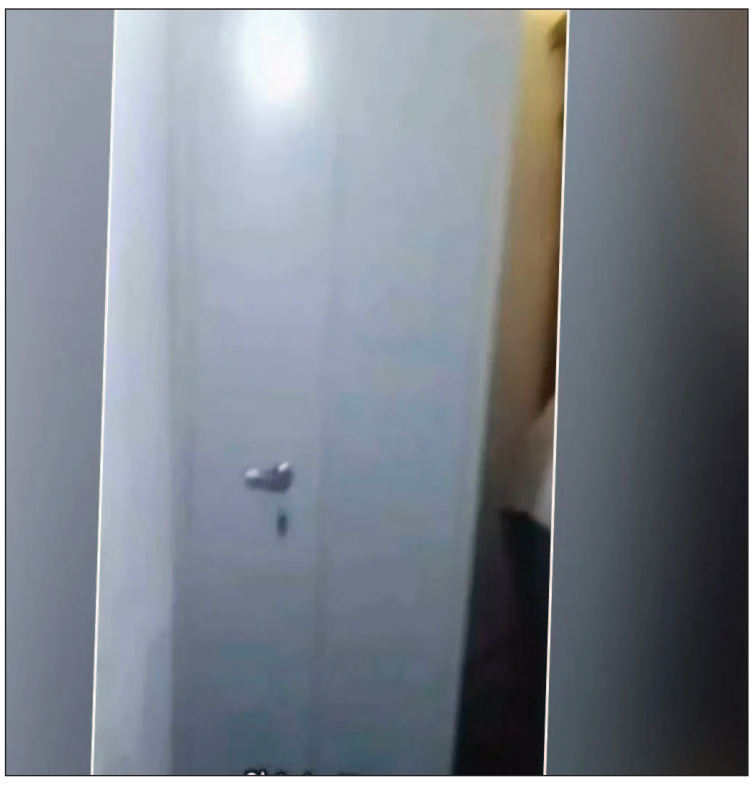

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक बेहद विचित्र लेकिन मजेदार वीडियो खूब सुर्खियां बटोर रहा है। वायरल हुई क्लिप एक अलमारी से जुड़ी हुई है। बाहर से अलमारी तो बिल्कुल सामान्य नजर आती है। लेकिन दरवाजा खुलते ही जो नजारा सामने आता है, उसे देखकर सोशल मीडिया की पब्लिक भौचक्की रह गई है। यूजर्स मौज लेते हुए कह रहे हैं- 'इसे देखकर पूरा चोर समाज डरा हुआ है।'

वायरल हो रहे वीडियो की शुरुआत एक कमरे से होती है, जहां आप देख सकते हैं कि कोने में एक अलमारी रखी हुई है। लेकिन जैसे ही शख्स आगे बढ़कर अलमारी का दरवाजा खोलता है, सामने शौचालय नजर आता है। जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा है। अलमारी के भीतर टॉयलेट ही है। यूं कहें कि देसी जुगाड़ को इस बंदे ने नेक्स्ट लेवल पर पहुंचा दिया है।

दिमाग चकरा देने वाले इस वीडियो को @sharumki_sketchbook नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है। यूजर ने लिखा- चोर भी सोचेगा कि कैसे-कैसे लोग रहते हैं यहां। क्लिप देखकर नेटिजन्स अपनी हंसी पर कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं। कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि चोर के दिमाग को 440 वोल्ट का झटका देने के लिए यह आइडिया बड़ा जोरदार है।खबर लिखे जाने तक पोस्ट को 45 हजार लोग लाइक कर चुके हैं, जबकि कमेंट बॉक्स में मजाकिया टिप्पणियों की बाढ़ आई हुई है।

एक यूजर ने मौज लेते हुए कमेंट किया, तिजोरी पक्का इसके वॉशरूम में होगी। दूसरे यूजर ने कहा, चोर भी मन ही मन कहेगा इंसानियत जैसी कोई चीज ही नहीं है। एक अन्य यूजर ने लिखा, कितने तेजस्वी लोग हैं।

**ब्लॉग**

# कांग्रेस संगठन बदलाव पर राहुल गांधी की छाप, क्या सामाजिक न्याय के एजेंडे से मिलेगी संजीवनी?

**कुबूल अहमद**

**हरियाणा,** महाराष्ट्र और दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली करारी मात के बाद कांग्रेस ने अपने संगठनात्मक बदलाव शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस ने तीन दिन पहले कई राज्यों के प्रभारी बदले हैं, जिसमें पार्टी ने अनुभवी और परखे हुए नेताओं को जिम्मेदारी देने के साथ-साथ युवा चेहरों को खास तवज्जो दी है। इस तरह कांग्रेस संगठन में होने वाले बदलाव पर राहुल गांधी की छाप खास नजर आ रही है, क्योंकि युवाओं को मौका देने के साथ-साथ दलित, ओबीसी और अल्पसंख्यक समाज के नेताओं को तरजीह दी गई है। इस तरह राहुल गांधी ने सामाजिक न्याय के एजेंडे को धार देने के लिए कांग्रेस के संगठन में भी सामाजिक न्याय की कवायद शुरू कर दी है। ऐसे में देखना है कि राहुल के इस बदलाव से कांग्रेस के दिन भी बदलते हैं कि नहीं?

कांग्रेस ने तीन दिन पहले 2 राज्यों के महासचिव और 9 के लिए प्रभारी नियुक्त की है। कांग्रेस ने 9 में से 6 प्रभारियों को बदला है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कांग्रेस का महासचिव बनाते हुए पंजाब का प्रभार सौंपा है। कांग्रेस के संगठनात्मक बदलाव पर नेता राहुल गांधी की सियासी छाप को साफ देखा जा सकता है। खासकर उनके तीन करीबी सहयोगियों को प्रमुख जिम्मेदारियां दी गई हैं। ये सहयोगी संगठनात्मक मामलों में राहुल के साथ काम कर चुके हैं। ऐसे ही प्रियंका गांधी के करीबी नेताओं को भी संगठन में जगह दी गई है।

कांग्रेस ने सगंठन में बदलाव करते हुए रजनी पाटिल को हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ का प्रभारी बनाया गया। बीके हरिप्रसाद को हरियाणा, हरीश चौधरी को मध्य प्रदेश, गिरीश चोड़नकर को तमिलनाडु और पुडुचेरी का प्रभारी बनाया है। ऐसे ही अजय कुमार लल्लू को ओडिशा, के। राजू को झारखंड, मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना, सप्तगिरी शंकर उल्का को मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम और नागालैंड और कृष्ण अल्लावरु को बिहार का प्रभारी बनाया है। भूपेश बघेल और राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का प्रभारी महासचिव बनाया गया है।

कांग्रेस ने अपने कुछ प्रभारियों के प्रदर्शन को भी देखा और खराब प्रदर्शन करने वालों को हटा दिया है। इस फेरबदल में दीपक बाबरिया, मोहन प्रकाश के अलावा भरत सिंह सोलंकी, राजीव शुक्ला, अजय कुमार और देवेंद्र यादव सहित कई वरिष्ठ नेताओं की संगठन से छुट्टी हो गई है। दीपक बाबरिया जो हरियाणा के प्रभारी थे और चुनावी मात के बाद उन्हें हटा दिया है।

कांग्रेस ने के। राजू, जो 'बहुजन' राजनीति में राहुल गांधी के विश्वसनीय व्यक्ति माने जाते हैं, को झारखंड की जिम्मेदारी दी है। कांग्रेस कार्यकर्ता से राजनीतिज्ञ बनीं मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना का प्रभार सौंपा गया है, जहां कांग्रेस सरकार सोशल इंजीनियरिंग के तहत बड़े बदलाव की योजना बना रही है। तेलंगाना सरकार ने जाति जनगणना डेटा जारी किया है और दलितों के उप-वर्गीकरण की योजना बना रही है। मोहन प्रकाश की जगह कृष्णा अल्लावरु की बिहार प्रभारी नियुक्ति भी नेताओं के लिए एक संदेश है कि नेतृत्व चुनाव नतीजों पर ध्यान दे रहा है।

कृष्णा अल्लावरु को राहुल गांधी का काफी करीब माना जाता है, जो अपर क्लास से आते हैं और यूथ कांग्रेस में लंबे समय तक रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस ने उन्हें बिहार में लगाया गया, जहां पर इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। भूपेश बघेल, गिरीश चोड़नकर, हरीश चौधरी और अजय कुमार लल्लू ओबीसी समाज से आते हैं जबकि बीके हरि प्रसाद और के। राजू दलित समाज से हैं। सप्तगिरि आदिवासी समुदाय से हैं। कांग्रेस संगठन में जिन 11 लोगों की नियुक्त हुई है, उसमें चार ओबीसी, दो दलित, एक आदिवासी और एक अल्पसंख्यक समाज से हैं। तीन अपर क्लास हैं, जिनमें रजनी पाटिल, मीनाक्षी नटराजन और कृष्ण अल्लावरु हैं।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कर्नाटक के दिग्गज कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद को संगठन में वापस लाया गया है। बघेल को पंजाब का प्रभारी बनाया गया है और हरिप्रसाद को हरियाणा प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भूपेश बघेल को प्रियंका गांधी वाड्रा का करीब माना जाता है। उन्हें चुनाव प्रबंधन के लिए जाना जाता है। हरिप्रसाद पार्टी के पुराने वफादार हैं। इसके अलावा कांग्रेस का भविष्य में नेतृत्व करने वाले नेताओं को तैयार करने का इरादा साफ झलक रहा है। सैयद नसीर हुसैन, अल्लावरु और सप्तगिरी जैसे युवा नेता हरीश चौधरी, अजय कुमार लल्लू, गिरीश चोडंकर और रजनी पाटिल जैसे वरिष्ठ नेताओं के साथ इस सूची में शामिल हैं।

कांग्रेस ने अपने राजनीतिक एजेंडे में बहुत बड़ा बदलाव किया है। कांग्रेस की रणनीति अब दलित और ओबीसी वोटरों पर है। पिछले कुछ चुनावों में भले ही कांग्रेस को अपेक्षित सफलता ना मिली लेकिन राहुल गांधी की अगुआई में तय किए गए अजेंडे में एकरूपता रही है। सामाजिक न्याय के लिए जाति जनगणना और दलितों-पिछड़ों व अनुसूचित जनजातियों की विभिन्न क्षेत्रों में कम नुमाइंदगी से जुड़े सवालों पर पार्टी का जोर लगातार बना रहा। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक तौर पर उठता रहा कि खुद कांग्रेस पार्टी इस मामले में क्यों पीछे खड़ी दिख रही है। इस लिहाज से कांग्रेस ने संगठन में बदलाव किया तो पार्टी की सीनियर लीडरशिप का 70-75 फीसदी हिस्सा ओबीसी, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक तबकों को दिया है।

दरअसल, 2022 में हुए कांग्रेस के उदयपुर अधिवेशन के बाद संगठन में बड़े बदलाव लाने वाले फैसलों का इंतजार हो रहा था, लेकिन एक के बाद एक कई कारणों से यह कार्य टलता जा रहा था। आखिरकार तय किया गया कि साल 2025 में उदयपुर अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर अमल किया जाए। ऐसे में मल्लिकार्जुन खरगे के बतौर अध्यक्ष कार्यभार संभालने के बाद इसकी भूमिका भी तैयार हो चुकी थी। इसलिए अब माना जा रहा है कि इस बदलाव के जरिए कांग्रेस अपने खिसके हुए जनाधार को वापस लाने की कवायद में है, जिसके लिए संगठन में ओबीसी, दलित और अल्पसंख्यक समुदाय को जगह दी है। राहुल गांधी जिस मुद्दे पर सबसे ज्यादा मुखर नजर आते हैं, उस नजरिए से भी संगठन को धार दिया जा रहा है ताकि सामाजिक न्याय के मुद्दे को धार दिया जा सके।

आजादी के बाद कांग्रेस का परंपरागत वोटबैंक दलित-मुस्लिम-ब्राह्मण हुआ करता था। कांग्रेस इसी जातीय समीकरण के सहारे लंबे समय तक सियासत करती रही है। ओबीसी वर्ग की तमाम जातियां कांग्रेस का विरोध करती रही हैं। इंदिरा गांधी की तरह राजीव गांधी ने भी जाति के आधार पर आरक्षण का विरोध किया। ऐसे में कांग्रेस को पिछड़े वर्ग और आरक्षण का विरोधी माना जाता रहा है। ऐसे में मंडल कमीशन के बाद देश की सियासत ही पूरी तरह से बदल गई और ओबीसी आधारित राजनीति करने वाले नेता उभरे। इनमें मुलायम सिंह यादव से लेकर लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, शरद यादव जैसे मजबूत क्षत्रप रहे। ओबीसी सियासत इन्हीं नेताओं के इर्द-गिर्द सिमटती गई और कांग्रेस धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिए पर पहुंच गई।

राम मंदिर आंदोलन और कांशीराम की दलित राजनीति ने कांग्रेस का सियासी खेल ही बिगाड़ दिया। मुस्लिम से लेकर दलित और ब्राह्मण वोटर भी खिसक गए। ऐसे में राहुल गांधी इस बात को सार्वजनिक रूप से भी स्वीकार करते हैं कि दलित और ओबीसी के मुद्दे को कांग्रेस सही तरीके से हैंडल नहीं कर सकी। मंडल के बदली सियासी नजाकत को कांग्रेस नहीं समझ सकी और दलित-पिछड़े वर्ग के वोट बैंक को साधने में पूरी तरह फेल रही। राहुल गांधी भी इस तरफ इशारा कर रहे हैं। देश में करीब आधी से ज्यादा आबादी ओबीसी समुदाय की है और दलित-आदिवासी समुदाय की आबादी 22 फीसदी है, जो किसी भी राजनीतिक दल का चुनाव में खेल बनाने और बिगाड़ने की ताकत रखती है। मंडल कमीशन के लिहाज से देखें तो करीब 52 फीसदी ओबीसी समुदाय की आबादी है, जो यूपी, बिहार में पूरी तरह से कांग्रेस के खिलाफ हो गई थी। कांग्रेस को नब्बे के दौर में काफी विरोध झेलना पड़ा और मध्य वर्ग के बीच उसकी साख कमजोर भी हुई। ओबीसी और दलितों के बीच कांग्रेस पकड़ नहीं बना सकी।

ओबीसी अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग पार्टियों के बीच बंटा हुआ है, लेकिन 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी नरेंद्र मोदी को पीएम का चेहरा बनाकर ओबीसी समुदाय को साधने में सफल रही। इसके बाद ओबीसी की सियासत करने वाले क्षेत्रीय दलों के लिए भी सियासी संकट खड़ा हो गया। बीजेपी ओबीसी वोटों पर अपनी पकड़ बनाए रखने में जुटी है। इसी का नतीजा है कि कांग्रेस 1984 के बाद दोबारा पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में नहीं आ सकी। अब राहुल गांधी कांग्रेस के संगठन में ओबीसी और दलितों को जगह देकर सामाजिक न्याय के एजेंडे को गंभीरता के साथ लड़ने और उनके विश्वास को जीतने की दांव चला है।

# यूपी के इस जिले में भारी वाहनों पर प्रतिबंध, संभल और दिल्ली से जाने वाले अब गढ़मुक्तेश्वर से जाएंगे बिजनौर

आर्यावर्त संवाददाता

**अमरोहा।** कांवड़ियों की सुरक्षा के मद्देनजर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश पर मंगलवार से जिले में बिजनौर को जाने वाले भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। जबकि पूर्ण रूप से 20 फरवरी की सुबह छह बजे से जिले में रूट डायवर्जन लागू किया जाएगा।

26 फरवरी को शिवरात्रि का पर्व है। लिहाजा हरिद्वार से जल लेकर कांवड़ यात्रियों के आने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। जिले में प्रवेश के लिए कांवड़ियों का प्रमुख मार्ग बिजनौर से नौगावां सादात होते हुए तथा बिजनौर से मंडी धनौरा होते हुए रहेगा। हालांकि पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सारी तैयारी कर ली है।

इन रूट पर कांवड़ियों के सामने यातायात व्यवस्था को लेकर कोई दिक्कत न आए लिहाजा एसपी अमित कुमार आनंद ने मंगलवार (आज) से जिले से होकर बिजनौर जाने वाले भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

### सभी भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध

मुरादाबाद और संभल से बिजनौर जाने वाले सभी भारी वाहनों को गढ़मुक्तेश्वर होकर बिजनौर जाना होगा। वहीं, दिल्ली से आकर अमरोहा होते हुए बिजनौर जाने वाले भारी वाहन भी गढमुक्तेश्वर होते हुए बिजनौर जाएंगे।

टीएसआई धर्मेंद्र खोखर ने बताया कि बिजनौर के लिए जाने वाले भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। जबकि जिले में 20 फरवरी की सुबह 6 बजे से सभी प्रकार के वाहनों का रूट डायवर्जन कर दिया जाएगा। जोकि 27 फरवरी की शाम पांच बजे तक लागू रहेगा।

### महाशिवरात्रि को लेकर 20 फरवरी की सुबह छह बजे से लागू होगा रूट डायवर्जन

महाशिवरात्रि पर कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए एसडीएम ने सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात कर दिए हैं। एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने कहा 18 से 26 फरवरी तक के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने क्षेत्रों में बने रहेंगे।

विभा श्रीवास्तव ने कहा, कि तहसीलदार परमानंद श्रीवास्तव को कोतवाली हसनपुर क्षेत्र, भारत प्रताप सिंह नायब तहसीलदार को सैदनगली थाना क्षेत्र, खंड विकास अधिकारी गंगेश्वरी अश्वनी कुमार को रहरा थाना क्षेत्र, दिवाकर सिंह नायब तहसीलदार रहरा को आदमपुर थाना क्षेत्र तथा अरूण कुमार खंड विकास अधिकारी गजरौला को गजरौला थाना क्षेत्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किया है। कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी छोटी व बड़ी घटना घटित होने की संभावना दिखाई देने अथवा घटित होने पर तत्काल एसडीएम के मोबाइल नंबर पर सूचना देंगे।

### कांवड़ यात्रा के लिए बैठक

सोमवार को कांवड़ यात्रा, महाशिवरात्रि व होली पर्व को लेकर पुलिस ने अमन कमेटी की एक बैठक का आयोजन किया। जिसमें वरिष्ठ उपनिरीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह ने ग्राम प्रधानों व संभ्रांत नागरिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वह इन सभी त्योहारों में अपना सहयोग करें और मिल जुलकर मनाएं। बोले, अगर कोई असामाजिक तत्व माहौल को बिगाड़ने का प्रयास करता है तो उसके बारे में तत्काल पुलिस को अवगत कराएं। बोले, अब कांवड़ियों के जत्थे निकलने लगेंगे। उनकी सुरक्षा व यातायात व्यवस्था के लिए भी कदम उठाए जाएं।

### कांवड़ यात्रा में करें सहयोग

फाल्गुन मास की कांवड़ यात्रा के लिए शिवभक्त हरिद्वार की तरफ कूच करने लगे हैं। गांव कांकाठेर से कांवड़ियों का एक जत्था हरिद्वार से गंगाजल लाने के लिए रवाना हुआ है। इस जत्थे में महिलाएं भी शामिल हैं। जत्था रवाना होने पर गांव की महिलाओं ने भजन गाकर भक्ति का माहौल बना दिया। दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे पर स्थित गांव कांकाठेर में भी कांवड़ यात्रा का काफी उत्साह देखने को मिलता है। अब 26 फरवरी को महाशिवरात्रि है। इसके लिए गांव के सैकड़ों ग्रामीण हरिद्वार से कांवड़ लेने के लिए सोमवार को निकल पड़े हैं। वापस आने पर गांव के मंदिर पर जलाभिषेक करेंगे।

# शादी के मंडप में सात फेरे से पहले पहुंची महिला ने मचाया हंगामा, बोली– यह दूल्हा मेरा पति है

आर्यावर्त संवाददाता

**देवरिया।** उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक शादी में सात फेरे से पहले ही दूल्हे की पहली पत्नी पहुंच गई। उसे मौके पर जमकर हंगामा काटा, लोगों के लाख समझाने पर बात नहीं बनी।

बताया जा रहा है कि पथरदेवा उपनगर के मैरिज हाल में दूसरी शादी रचाने के दौरान उस समय हंगामा शुरू हो गया, जब पहली पत्नी कुशीनगर के रामकोला थाने की पुलिस को लेकर पहुंच गई और शादी रुकवा दी। पुलिस दूल्हे को लेकर कुशीनगर रवाना हो गई।

उधर, वधू पक्ष के लोगों ने दूल्हे के पिता को बंधक बना लिया और खर्च और सामान वापस करने की मांग करने लगे। देर रात तक दोनों पक्षों में पंचायत होती रही। किसी तरह से मंगलवार की सुबह दूल्हे के पिता को रिहा किया।

कुशीनगर जनपद के रामकोला थाना क्षेत्र के कुशमहां गांव के रहने वाले युवक की पहली शादी फाजिलनगर थाना क्षेत्र के सुमही गांव में हुई थी। लोगों के मुताबिक, शादी के कुछ दिनों बाद पति-पत्नी में विवाद होने लगा। इससे नाराज होकर पत्नी अपने मायके चली गई। युवक की दूसरी शादी बघौचघाट थाना क्षेत्र के हरखौली दुलार पट्टी गांव में तय हो गई।

सोमवार को पथरदेवा के मैरिजहाल में युवक बरात लेकर पहुंच गया। द्वारपूजा हो गया और उसके बाद जयमाला की रस्म शुरू हो गई। इसी दौरान पहली पत्नी रामकोला पुलिस के साथ मौके पर पहुंच गई। उसने शादी में हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान अफरातफरी मच गई।

लड़के पक्षवालों से पूछताछ के बाद पुलिस दूल्हे को लेकर चली गई। बरातियों व घरातियों में विवाद होने लगा। बराती विवाद को खिसकने लगे। वधु पक्ष ने दूल्हे के पिता को बंधक बना लिया। घरातियों ने मैरिज हाल का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। आरोप लगाया कि वर पक्ष के स्वजन ने पहली शादी की बात छिपाकर दूसरी शादी तय की थी। शादी में खर्च रुपये व सामान वापस करने की मांग करने लगे। पंचायत में समझौता होने के बाद भोर में करीब चार बजे दूल्हे के पिता को छोड़ा।

# गुलाब की पंखुड़ियां, प्रयागराज से आया संगम का जल... जब कैदियों ने किया अनोखा स्नान

आर्यावर्त संवाददाता

**उन्नाव।** उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले की जिला जेल में आस्था और महाकुंभ का अनोखा दृश्य देखने को मिला। यहां जेल में बंद कैदियों ने संगम के पवित्र जल से स्नान किया और इस दौरान उनका उत्साह भी देखने लायक था। जेल प्रशासन ने इस आयोजन को यादगार बनाने के लिए खास व्यवस्था की, जिसमें कैदियों ने 'हर हर गंगे' के उद्घोष के साथ स्नान किया।

जानकारी के अनुसार, उन्नाव जेल के जेल अधीक्षक पंकज कुमार सिंह की पहल पर प्रयागराज से संगम का जल मंगवाया गया। इस जल को एक बड़े कुंड में भरकर उसमें गंगा जल मिलाया गया। साथ ही, कुंड में गुलाब के फूलों की पंखुड़ियां भी डाली गईं। जेल के चारों ओर फूलों के गमले रखे गए, जिससे वातावरण में एक आध्यात्मिक माहौल बन गया।

### हर हर गंगे के उद्घोष के साथ स्नान

कैदियों ने इस पवित्र स्नान का पूरी आस्था के साथ आनंद लिया। 'हर हर गंगे' का उद्घोष करते हुए एक-एक करके कैदी कुंड में स्नान करने आए। कुछ कैदी सूर्य भगवान को जल चढ़ाते हुए भी नजर आए, जो उनके धार्मिक उत्साह को दर्शाता था। इस आयोजन के दौरान जेल प्रशासन ने कैदियों पर पुष्प वर्षा की, जिससे इस लम्हे को और भी यादगार बना दिया गया।

### जेल प्रशासन का आयोजन

यह भव्य आयोजन कारागार मंत्री और महानिदेशक की अनुमति से किया गया। जेल अधीक्षक पंकज कुमार सिंह और जेलर अरुण कुमार मिश्रा की देखरेख में इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान जेल का माहौल पूरी तरह से आध्यात्मिक था, और कैदी इस आयोजन से बहुत खुश दिखाई दिए। उन्होंने जेल प्रशासन का आभार व्यक्त किया और इस आयोजन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

### महाकुंभ में उमड़ रहा स्नानार्थियों का रेला

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में पवित्र स्नान के लिए लाखों लोग उमड़ रहे हैं। लोग हवाई जहाज, रेल, सड़क और जल मार्ग से प्रयागराज पहुंचकर संगम के जल में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित करना चाहते हैं। अब तक पचास करोड़ से अधिक लोग स्नान कर चुके हैं, और यह रेला रुकने का नाम नहीं ले रहा। हर कोई संगम के जल में स्नान करके पुण्य कमाना चाहता है, चाहे वह बच्चा हो या बूढ़ा, महिला हो या पुरुष, या फिर किन्नर सभी इस पवित्र स्नान में भाग ले रहे हैं।

### राज्य स्तरीय आमन्त्रण कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

**सीतापुर।** मंगलवार को राज्य स्तरीय आमन्त्रण कबड्डी (महिला सीनियर वर्ग) प्रतियोगिता आयोजन किया गया। जिसमें 10 टीमों सीतापुर, वाराणसी, आगरा हास्टल, लखनऊ, गाजीपुर, अयोध्या, कानपुर, गोरखपुर, महाराजगंज एवं जौनपुर ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिलाधिकारी अभिषेक आनंद द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि खेल पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ खेला जाये। हार जीत सिर्फ खेल का एक अंग है। जिलाधिकारी ने सीतापुर एवं जौनपुर के बीच हुयी कबड्डी प्रतियोगिता को भी देखा। जिलाधिकारी द्वारा दूसरे जनपद में आयोजित हुयी ओपेन स्टेट फुटबाल प्रतियोगिता में जनपद सीतापुर की टीम के विजय होने पर उनको सम्मानित किया।।कबड्डी (महिला सीनियर वर्ग) का पहला मैच- सीतापुर बनाम जौनपुर के मध्य खेला गया।

# दोस्तों को शराब परोसने का दबाव और कार की डिमांड... बात नहीं मानी तो की पत्नी को बेचने की तैयारी ; एफआईआर के बाद फरार

आर्यावर्त संवाददाता

**बरेली।** उत्तर प्रदेश के बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति और ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि दहेज में कार न मिलने पर उसके पति और ससुराल वालों ने उसे प्रताड़ित किया। पति ने न सिर्फ उसके साथ मारपीट की। बल्कि अपने दोस्तों के साथ शराब पीने और उन्हें परोसने के लिए भी मजबूर किया। जब उसने इसका विरोध किया तो उसे बेरहमी से पीटा गया।

महिला का आरोप है कि उसका पति उसे बेचने की फिराक में था। पुलिस ने इस मामले में 16 नामजद समेत 18 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी पति घर छोड़ कर फरार है। दरअसल बरेली जिले के इज्जतनगर थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला की शादी साल 2023 में पीतल नगरी गेट के रहने वाले युवक से हुई थी। शादी के बाद

वह अपने पति के साथ उत्तराखंड के धारचूला में रहने लगी, जहां उसका पति नौकरी करता था। महिला का आरोप है कि शादी के कुछ ही समय बाद पति और ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे।

### दहेज के लिए किया प्रताड़ित

महिला ने आगे आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने कार की मांग की और जब उसके मायके वालों ने यह देने से इनकार किया तो उस पर अत्याचार बढ़ने लगे। उसका पति अक्सर शराब पीकर घर आता था और अपने दोस्तों के साथ बैठकर शराब पीता था। वह उसे भी शराब परोसने के लिए मजबूर करता था। जब उसने ऐसा करने से इनकार किया तो पति और उसके दोस्तों ने उसे बुरी तरह पीटा। पति ने धमकी दी कि जब तक कार नहीं मिलेगी। तब तक वह इसी तरह उसका शोषण करता रहेगा।

### महिला को बेचने की थी साजिश

यही नहीं महिला ने आरोप लगाया कि जब वह प्रेग्नेंट हुई तो पति और ससुराल वालों ने उस पर अबॉर्शन कराने का दबाव बनाया। जब उसने मना किया तो उसे बुरी तरह पीटा गया। महिला ने किसी तरह अपनी प्रेग्नेंसी पूरी की और बच्चे को जन्म दिया, लेकिन अस्पताल का खर्च उसके मायके वालों को उठाना पड़ा। महिला का कहना है कि उसका पति और ससुराल वाले उसे बेचकर जिस्मफरोशी के धंधे में धकेलने की साजिश कर रहे थे। जब उसने इस बात का विरोध किया तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई।

### पहले भी की थी पति की शिकायत

महिला ने बताया कि उसने धारचूला में भी अपने पति के खिलाफ तहरीर दी थी, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। उस समय पति ने लिखित में माफीनामा दिया था और दोबारा ऐसा न करने का वादा किया था, लेकिन जेल से छूटने के बाद उसने फिर से वही अत्याचार शुरू कर दिए। महिला की शिकायत पर इज्जतनगर पुलिस ने 16 नामजद समेत 18 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अब मामले की जांच में जुटी है और आरोपी पति की तलाश कर रही है, जो घर छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

### संगम के जल से खीरी जेल में निरुद्ध बंदियों को कराया जाएगा स्नान

**लखीमपुर-खीरी।** जनपद लखीमपुर खीरी में जिला कारागार में निरुद्ध बंदियों को कर्म और नियति के अद्भुत सहयोग से दिनांक 21.2.2025 को गंगाजल से स्नान कराई जाएगी सजा काट रहे कैदी इस दिन महाकुंभ के जल से स्नान करेंगे नियति ने उनके लिया यह दिन तय किया होगा कि इसकी कभी कल्पना भी नहीं की होगी महाकुंभ में अब तक करोड़ों लोग स्नान कर चुके हैं जो स्नान नहीं कर रहे हैं वह योजना बना रहे हैं लेकिन प्रदेश भर की जेल में बंद कैदियों को इस पूर्ण अवसर का लाभ नहीं मिल पा रहा था ऐसे में शासन की तरफ से व्यवस्था की गई है कि उनको भी महाकुंभ जल से स्नान कराया जाए इसके लिए 21 फरवरी का दिन तय किया गया है इस दिन जेलों में टैंक आदि में प्रयागराज स्थित संगम का जल मिलाया जाएगा और सभी कैदियों का स्नान कराया जाएगा वहीं प्रदेश की सभी जिलों में इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है।

# कागज पर बच्ची ने बनाई ड्रॉइंग, खुल गया मां की हत्या का राज ; झांसी में महिला की मौत की पहेली ऐसे सुलझी

आर्यावर्त संवाददाता

**झांसी।** उत्तर प्रदेश के झांसी में सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां पंचवटी कॉलोनी के रहने वाले दवाई कंपनी में कार्यरत मेडिकल रिप्रजेंटेटिव की पत्नी की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। महिला का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई। शुरुआत में ये मामला सुसाइड का लग रहा था, लेकिन मृतका की 5 साल की बेटी ने पुलिस को आंखों देखा हाल सुनाकर चौंका दिया।

मृतक महिला का नाम सोनाली बुधौलिया है। उसकी शादी झांसी के पंचवटी कॉलोनी में हुई थी। वहीं मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर आरोप लगाते हुए बताया कि बीते दिन ससुराल वालों ने परिवार के सदस्य की बीमारी का बहाना बना कर उनकी बेटी को बुलवाया था और रात में

मारपीट करके फांसी लगा दी।

### घरवालों ने लगाया आरोप

मृतक सोनाली बुधौलिया के माता-पिता ने आरोप लगाते हुए बताया कि उनकी बेटी की शादी 6 वर्ष पहले हुई थी। जिस पर आए दिन बेटी को प्रताड़ति करते थे। बेटी के साथ मारपीट करने और दहेज की मांग करते थे, जिसका मामला कोर्ट में 2 वर्ष तक चला। लेकिन कोर्ट में गुमराह करते हुए राजीनामा करके उनकी बेटी को घर ले गए और पूरी प्लानिंग के साथ उनकी बेटी को बीती रात फांसी के फंदे पर लटका दिया और पुलिस को सूचना दिए बगैर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कर दिया।

### बच्ची ने पुलिस को बताया

वहीं, बच्ची ने पुलिस को बताया कि पापा ने उसकी मम्मी की बेरहमी से पिटाई की थी। सादे पेपर पर बच्ची ने ड्रॉइंग बनाकर पुलिस को पूरी कहानी बयां की। बच्ची ने कागज पर टेढ़े-मेढ़े आकार में मां की फोटो को उकेरा और रोते हुए पूरी घटना बताई।

जैसे ही लड़की के मायके वाले अस्पताल पहुंचे तो वे लोग मौके से फरार हो गए। एक वीडियो भी सामने आया है कि जिसमें महिला के चेहरे और पैर पर चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। लड़की के माता-पिता एवं परिवार जनों का कहना है कि जब तक हत्यारे की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक एफआईआर दर्ज नहीं होगी। वह ना तो पोस्टमार्टम कराएंगे और ना ही बॉडी को लेंगे। वहीं, झांसी के क्षेत्राधिकारी रामवीर सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# पुलिस ने अवैध शस्त्र के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार भेजा जेल

आर्यावर्त संवाददाता

**थाना रेउसा सीतापुर।** रेउसा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत पुलिस ने एक अभियुक्त अवैध शस्त्र के साथ गिरफ्तार कर लिया है। तथा पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र द्वारा जनपद में सघन चेकिंग एवम् अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। तथा क्षेत्राधिकारी बिसवाँ सतीश चन्द्र शुक्ला के निकट पर्यवेक्षण में थाना रेउसा पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान अभियुक्त इलियास पुत्र रमजान निवासी ग्राम महसी थाना हरदी जनपद बहराइच हाल पता ग्राम भरथा थाना रेउसा जनपद सीतापुर को गोबरहिया पुल ग्राम शेखनपुरवा के पास से एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया है। बरामद अवैध शस्त्र के संबंध में थाना रेउसा पर मु0अ0सं0 057/2025 धारा 25(1-बी) आयुद्ध अधिनियम पंजीकृत कर अभियुक्त उपरोक्त का चालान मा0 न्यायालय किया गया है।

# ननद की शादी की खबर से घबरा गई भाभी, भाई संग मिलकर किया ऐसा कांड... पहुंची सलाखों के पीछे

आर्यावर्त संवाददाता

**हरदोई।** उत्तर प्रदेश के हरदोई से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बहू ने लालच में आकर अपने ही घर में चोरी की साजिश रची। जब उसकी चोरी का खुलासा हुआ तो पूरा परिवार सन्न रह गया। पुलिस ने आरोपी बहू, उसके भाई और दो अन्य महिलाओं को अरेस्ट करके जेल भेज दिया है।

दरअसल, शादी में ननद को जेवर दिए जाने की आशंका में भाभी ने सास के जेवर अपने भाई और दो सहेलियों की मदद से चोरी करा लिए। घटना की जांच के दौरान पूरा मामला खुल गया और पुलिस ने तीन महिलाओं समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

सुरसा थाना क्षेत्र के झिनवा गांव निवासी वीरावती का बड़ा बेटा प्रदीप शहर कोतवाली क्षेत्र के प्रेमनगर में रहता है। वीरावती ने अपने जेवर

प्रदीप की पत्नी यानी अपनी बहू सुमन के पास रखवा दिए थे। इसी बीच वीरावती ने अपनी बेटी की शादी तय कर दी। अप्रैल में शादी होनी है।

सुमन को लगने लगा था कि सास अपने सारे जेवर बेटी को शादी में दे देगी। इस पर सुमन ने अपने भाई सुधीर और पड़ोस में रहने वाली अनीता व गीता के साथ मिलकर चोरी का प्लान बनाया। सास के जेवर सुमन ने अपने भाई सुधीर को दे दिए। सुधीर ने गहने ले जाकर अनीता के पास रखवा दिए। 11 फरवरी को सुमन परिजनों के साथ गांव गई थी। इस दौरान उसने अपने मकान की चाबी अनीता और गीता को दे दी। इन दोनों ने घर जाकर कुछ तोड़फोड़ कर दी और सामान बिखेर दिया, जिससे लगे कि चोरी की घटना हुई है। 12 फरवरी को पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की।

### चोरी की शिकायत हुई थी दर्ज

12 फरवरी को वीरावती ने अपनी बहू सुमन के मकान से गहने और नकदी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि खुद सुमन ने अपने भाई सुधीर और पड़ोस की दो महिलाओं अनीता और गीता के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई थी। फिलहाल चारों आरोपी जेल में हैं। उनके खिलाफ आगामी कार्रवाई जारी है।

### लुटेरों का गैंग चढ़ा पुलिस के हत्थे

**इमलिया सीतापुर।** थाना इमलिया सुल्तानपुर पुलिस ने चोरों के शातिर गैंग को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। तथा पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र द्वारा जनपद सीतापुर में लूट/चोरी/नकबजनी जैसी घटनाओं में संलिप्त अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवम् विधिक कार्यवाही के निर्देश दिये है। तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी डॉ.प्रवीन रंजन के निकट पर्यवेक्षण में थाना इमलिया सुल्तानपुर पुलिस एवम्-स्वाट की संयुक्त टीम द्वारा लूट की घटना में प्रकाश में आये कुल 06 शातिर अभियुक्तों 1- अर्पित पुत्र जयशंकर प्रसाद निवासी चठिया थाना महोली जनपद सीतापुर 2-भोगराज उर्फ भोगनाथ पुत्र संतलाल 3-शिवचरन त्रिवेदी पुत्र सतीश त्रिवेदी नि.गण ग्राम चतुरईया थाना महोली जनपद सीतापुर 4-नितिन वर्मा पुत्र गौरी शंकर वर्मा निवासी बिराहिमबाद थाना कोतवली देहात जनपद सीतापुर 5- उमेश कुमार पुत्र गोपी नाथ निवासी मल्लापुर थाना हरगांव जनपद सीतापुर 6-महेन्द्र कुमार ओझा पुत्र विरेन्द्र शुक्ला निवासी चतुरईया थाना महोली जनपद सीतापुर को गिरफ्तार किया गया है।

# दम निकलने तक पति मारता रहा डंडे, की पत्नी की हत्या, 12 साल पहले हुई थी शादी

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक शख्स ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार डाला। पति ने अपनी पत्नी को लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला। बेरहम पति ने पत्नी की हत्या क्यों की अभी तक इसकी वजह सामने नहीं आई है, लेकिन पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को को गिरफ्तार कर लिया है। अब पुलिस उससे पूछताछ कर रही है कि उसने ऐसा क्यों किया।

दरअसल ये मामला मोहनलालगंज गांव के आनंदपुर मजरा हुलासखेड़ा क्षेत्र का है, जहां देर रात पति राजकुमार ने अपनी पत्नी की इस कदर पिटाई कर दी कि उसकी मौत हो गई। मृतक पत्नी का नाम कंचन था, जिसकी उम्र 30 साल थी। पति राजकुमार ने अपनी पत्नी कंचन को मार डाला, जिसकी जानकारी पुलिस को दी। महिला की हत्या से इलाके में हड़कंप गया।

राजकुमार और कंचन की शादी 12 साल पहले हुई थी।

### डंडे से पीट-पीटकर मार डाला

राजकुमार ने कंचन को डंडे से पीट-पीटकर मार डाला। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने हत्यारे पति राजकुमार को हिरासत में लिया। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। पुलिस अधिकारियों ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पति ने पत्नी की हत्या क्यों की और क्या वजह रही अभी ये साफ नहीं हो पाया है। पुलिस ने हत्यारे पति को गिरफ्तार कर लिया है पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

### पुलिस ने दी मामले की जानकारी

इस मामले की जानकारी देते हुए एडीसीपी दक्षिण अमित कुमावत ने बताया कि 18 फरवरी को सुबह 9:00 बजे थाना मोहनलालगंज को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति जिसका नाम राजकुमार है। उसने अपनी पत्नी कंचन के साथ मारपीट की। उसे लाठी डंडों से पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची और महिला को अस्पताल पहुंचाया गया। अभियुक्त को हिरासत में लिया गया। अब आगे की कार्रवाई की जा रही है।

# शुगर-ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने के लिए कारगर है ये उपाय, आज से ही कर लें आहार में शामिल

धनिया की पत्तियां हों या इसके बीज, सभी विशेष गुणों से युक्त होते हैं। इसे आहार में शामिल करना आपके ब्लड शुगर को कम करने, संक्रमण से लड़ने और हृदय, मस्तिष्क, त्वचा और पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।

हमारे किचन में कई ऐसी औषधियां मसालों के रूप में सदियों से प्रयोग में लाई जाती रही हैं जिससे सेहत को कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। आयुर्वेद के साथ-साथ मेडिकल साइंस ने भी इनसे होने वाले फायदों की पुष्टि की है। धनिया ऐसा ही एक कारगर मसाला है, जो न सिर्फ भोजन के स्वाद को कई गुना बढ़ा देता है साथ ही आपको कई बीमारियों से बचाने में भी सहायक है।

अध्ययनों से पता चलता है कि धनिया की पत्तियां हों या इसके बीज सभी विशेष गुणों से युक्त होते हैं। धनिया में विटामिन-ए, विटामिन-सी, फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है जिसकी हमें रोजाना जरूरत होती है।

आहार विशेषज्ञ रोज सुबह खाली पेट धनिया का पानी पीने की सलाह देते हैं। इस छोटे से उपाय से आपको कई फायदे हो सकते हैं।

## धनिया का पानी आपके लिए कई प्रकार से लाभदायक

धनिया का पानी बनाने के लिए 1-2 चम्मच धनिया के बीज को एक गिलास पानी में भिगोकर रख दें। सुबह इस पानी को छानकर खाली पेट पिएं। इसके अलावा, आप चाहें तो धनिया के बीज को पानी में उबालकर भी पी सकते हैं।

वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. नवीन चंद्र जोशी बताते हैं, धनिया के बीज का पानी सेहत के लिए लाभकारी होता है। इसमें विटामिन-ए, विटामिन-सी, फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो सेहतमंद रहने में मदद करते हैं। धनिया के पानी में मौजूद विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बनाते हैं।

## पाचन और मेटाबॉलिज्म के लिए लाभकारी

इस पानी में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है साथ ही आंतों की हेल्थ में भी सुधार करता है। नियमित रूप से धनिया के पानी का सेवन करने से गैस, अपच, कब्ज और एसिडिटी से छुटकारा मिल सकता है।

धनिया का पानी पीने से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, जिससे शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद मिलती है। सुबह खाली पेट इस पानी के सेवन से इंसुलिन के उत्पादन में सुधार होता है और टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को भी कम किया जा सकता है। फाइबर और पोटैशियम बैड कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करते हैं।

## ये सावधानियां जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं धनिया का पानी कई प्रकार से सेहत के लिए लाभकारी है, हालांकि अधिक मात्रा में इसके सेवन से बचना चाहिए। धनिया के पानी के अधिक सेवन से पेट में जलन, उल्टी, दर्द, गैस, दस्त, सूजन और चक्कर आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए सेवन से पहले आयुर्वेद चिकित्सक की सलाह लें।

अगर आपको लो ब्लड प्रेशर या लो शुगर की दिक्कत रहती है तो धनिया का पानी पीना नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

### एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर है धनिया

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, धनिया एक सुगंधित, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर जड़ी-बूटी है। इसे आहार में शामिल करना आपके ब्लड शुगर को कम करने, संक्रमण से लड़ने और हृदय, मस्तिष्क, त्वचा और पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।

धनिया में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जिन्हें प्रतिरक्षा बढ़ाने, कैंसर और सूजन रोधी गुणों के लिए जाना जाता है। इतना ही नहीं ये एंटीऑक्सीडेंट मस्तिष्क की सूजन को भी कम करते हैं, जिससे याददाश्त में सुधार होता है और चिंता के लक्षण भी कम होते हैं। आइए रोजाना धनिया का पानी पीने के स्वास्थ्य लाभ जानते हैं।

# सहेलियों के बीच शेयर कर लेती हैं मेकअप तो पहले इसके बड़े नुकसान जान लें

शायद ही कोई लड़की और महिला ऐसी होगी, जिसे मेकअप करना पसंद नहीं होगा। इसी वजह से हर किसी के पर्स में अच्छा खासा मेकअप कलेक्शन देखने को मिल जाता है। कई बार लड़कियां अपनी सहेलियों के साथ मेकअप प्रोडक्ट्स शेयर भी कर लेती हैं, जोकि बिल्कुल नहीं करना चाहिए। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि ये आदत आपको कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स और इन्फेक्शन का शिकार बना सकती है।

चाहे वह लिपस्टिक हो, काजल या मेकअप ब्रश, इन सभी को साझा करने से बैक्टीरिया और वायरस आसानी से फैल सकते हैं। यहां हम आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं कि कैसे किसी और का इस्तेमाल किया मेकअप और ब्रश आपके लिए मुसीबत बन सकते हैं।

## ब्रश इस्तेमाल करने से स्किन इंफेक्शन का खतरा

जब आप दूसरों के साथ मेकअप ब्रश शेयर करती हैं, तो बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

इसकी वजह से कई बार किसी और के मेकअप प्रोडक्ट्स में मौजूद बैक्टीरिया आपकी त्वचा में पिंपल्स, रैशेज और एलर्जी पैदा कर सकते हैं।

खासतौर पर ये दिक्कत तब आती है, जब आप किसी और के इस्तेमाल किए हुए ब्रश इस्तेमाल करती हैं।

## आई मेकअप शेयर करने से होता है ये खतरा

कभी भी आई मेकअप तो गलती से भी शेयर नहीं करना चाहिए।

मस्कारा, आईलाइनर और काजल जैसे प्रोडक्ट्स में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं।

इन्हें शेयर करने से कंजक्टिवाइटिस का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे में जब आई मेकअप खुद भी इस्तेमाल करें तो पहले ब्रश को अच्छी तरह से साफ अवश्य कर लें।

## लिपस्टिक शेयर करने के हैं ये नुकसान

वैसे तो लिपस्टिक हर लड़की के बैग में रखी रहती है, लेकिन कई बार जब किसी और का शेड पसंद आता है तो हम उसे मांग के ला लेते हैं। जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए।

लिपस्टिक या लिप ग्लॉस शेयर करने से फीवर ब्लिस्टर जैसी संक्रामक बीमारियां तक फैल सकती हैं।

ऐसे में अगर किसी ने आपकी लिपस्टिक इस्तेमाल की भी है, तो उसे टिशू भी एक बार से साफ करें।

## हो जाती है एलर्जी

हर किसी की त्वचा अलग होती है, इसलिए किसी और के मेकअप प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने से आपकी स्किन पर एलर्जी हो सकती है।

ऐसे में अपनी स्किन-सेंसिटिविटी को समझें और दूसरों के प्रोडक्ट से बचें।

यदि आपको किसी मेकअप के इस्तेमाल से रिएक्शन हो रहा है तो तुरंत डर्मेटोलॉजिस्ट से संपर्क करें।

# किस ब्लड ग्रुप वाले लोगों को क्या चीजें खानी चाहिए? डॉक्टर ने दी जानकारी

साल 1996 में, नैचुरोपैथिक डॉक्टर पीटर जे . डीएडमो ने 'ईट राइट 4 योर टाइप' नाम से एक किताब लिखी, जिसमें उन्होंने दावा किया कि अपने ब्लड ग्रुप के हिसाब से डाइट का चयन करना कई बीमारियों से बचाए रखने में आपके लिए मददगार हो सकता है।

अच्छी सेहत के लिए अच्छा खान-पान बहुत जरूरी है। आपका डाइट जैसा होगा, उसका सेहत पर सीधा असर होता है, यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को विटामिन्स-मिनरल्स से भरपूर चीजें खाने की सलाह देते हैं।

विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को अपनी सेहत के अनुसार ही डाइट का चयन करना चाहिए। जैसे कि अगर आपको डायबिटीज है तो लो-ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली चीजें खानी चाहिए वहीं हाई ब्लड प्रेशर या हार्ट की बीमारी वाले लोगों को सोडियम वाली चीजों का सेवन कम से कम करना चाहिए। पर क्या आप जानते हैं कि अपने ब्लड ग्रुप के आधार पर भी डाइट को लेकर ध्यान देते रहना जरूरी है?

किसी खास ब्लड ग्रुप वाले लोगों को ज्यादा मच्छर काटने, ब्लड ग्रुप और हार्ट की समस्याओं के खतरे को लेकर आपने भी कई रिपोर्ट्स देखी और पढ़ी होंगी। आइए आज जानते हैं कि किस ब्लड ग्रुप वालों को किन चीजों का सेवन करना चाहिए?

## विशेषज्ञ ने किताब में किया है जिक्र

साल 1996 में, नैचुरोपैथिक डॉक्टर पीटर जे. डीएडमो ने 'ईट राइट 4 योर टाइप' नाम से एक किताब लिखी, जिसमें उन्होंने दावा किया कि अपने ब्लड ग्रुप के हिसाब से डाइट का चयन करना कई बीमारियों से बचाए रखने में आपके लिए मददगार हो सकता है। कुछ खाद्य पदार्थ शरीर में इंफ्लेमेशन को कम करने, ऊर्जा बढ़ाने और वजन कम करने में आपके लिए मददगार हो सकते हैं।

डी'एडमो का दावा है कि आपके रक्त में पाए जाने वाले एंटीजन (जो यह तय करते हैं कि आप टाइप ओ, ए, बी या एबी हैं) भोजन के साथ प्रतिक्रिय कर सकते हैं। विभिन्न ब्लड ग्रुप वाले लोगों में अलग-अलग गट बैक्टीरिया भी होते हैं, इसलिए सही आहार का चयन पाचन, मेटाबॉलिज्म सहित कई प्रकार से आपके लिए लाभकारी हो सकता है।

## टाइप ए ब्लड ग्रुप वालों का डाइट

टाइप-ए ब्लड ग्रुप वाले लोगों को फलों और सब्जियों, टोफू, बीन्स और फलियों के साथ साबुत अनाज से भरपूर शाकाहारी आहार लेने की सलाह दी जाती है। डी'एडमो का कहना है कि टाइप-ए ब्लड वाले लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली संवेदनशील होती है। हरी सब्जियां, अनानास, ऑलिव ऑयल और सोया, वजन घटाने के लिए सबसे अच्छे हैं, जबकि डेयरी उत्पाद, मक्का और राजमा का सेवन कम करें। इम्युनिटी बढ़ाने वाली चीजें ज्यादा खानी चाहिए।

## टाइप बी ब्लड ग्रुप वालों का डाइट

अगर आपका ब्लड टाइप बी है, तो मीट, फल, डेयरी, सीफूड और साबुत अनाज वाला मिक्स डाइट सबसे अच्छा माना जाता है। जिन खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए उनमें मक्का, गेहूं, टमाटर, मूंगफली और तिल शामिल हैं। कुछ लोगों के लिए ज्यादा चिकन खाना भी समस्या पैदा कर सकता है। हरी सब्जियां, अंडे, लो फैट वाले डेयरी उत्पाद इस ब्लड ग्रुप वाले लोगों की सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

## टाइप एबी ब्लड ग्रुप वालों का डाइट

इस ब्लड ग्रुप वाले लोगों को जिन खाद्य पदार्थों पर ध्यान देना चाहिए उनमें टोफू, सीफूड, डेयरी और हरी सब्जियां शामिल हैं। डी'एडमो का मानना है कि एबी ब्लड टाइप वाले लोगों के पेट में एसिड की मात्रा कम हो सकती है और इस वजह से उन्हें कैफीन, शराब और स्मोक्ड मीट से बचना चाहिए। कुछ डेयरी उत्पाद, जैसे दही का सेवन इस ब्लड ग्रुप वाले लोगों के लिए अच्छा माना जा सकता हैं।

## ओ ब्लड टाइप वालों के लिए डाइट

अध्ययनों के आधार पर स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ओ ब्लड टाइप वाले लोगों को हाई प्रोटीन वाली चीजें ज्यादा खानी चाहिए। लीन मीट, चिकन-मछली, फल-सब्जियां अधिक मात्रा में खाएं, जबकि साबुत अनाज, बीन्स और डेयरी वाली चीजें कम। यदि आपका लक्ष्य वजन कम करना है, तो आपको कार्बोहाइड्रेट वाली चीजों के अधिक सेवन से बचना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ पाचन संबंधी परेशानियों और अन्य समस्याओं से बचे रहने के लिए डॉक्टर की सलाह पर विभिन्न सप्लीमेंट लेने का भी सुझाव देते हैं।

डी'एडमो कहते हैं, किसी भी डाइट प्लान को अपनाने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें। ब्लड ग्रुप के साथ-साथ अपनी सेहत की स्थिति के आधार पर डाइट का चयन करना भी आवश्यक माना जाता है।

# न्यू टैक्स बिल वर्सेज ओल्ड : आसान भाषा समझ में लीजिए कितना आ गया अंतर ?

**नए इनकम टैक्स बिल के ड्राफ्ट को पहली बार देखने पर ऐसा कोई नीतिगत बदलाव दिखाई नहीं देता, जो मौजूदा बिल में है। लेकिन इस बार इसे काफी आसान भाषा में जनता के सामने पेश करने की कोशिश की गई है। कुछ ऐसे अहम बदलाव किए गए हैं, जिससे आम लोगों के कंफ्यूजन को दूर करेगा।**

नया इनकम टैक्स बिल, गुरुवार यानी आज लोकसभा में पेश होने की उम्मीद है। इस ये बिल करीब 60 साल पुराने इनकम टैक्स अधिनियम, 1961 को बदल पूरी तरह से बदल देगा। वैसे इस नए कगल में कोई बड़े नीतिगत बदलाव देखने को नहीं मिले हैं। लेकिन सरकार ने इस नए बिल के ड्राफ्ट में भाषा को काफी आसान बनाने का काम किया है। ताकि आम लोगों को आसानी से समझ आ सके।
जानकारों की मानें तो इस बिल के ड्राफ्ट को पहली नजर में देखें तो कोई नीतिगत बदलाव नहीं किया गया है। टैक्सपेयर्स को अक्सर वित्तीय वर्ष, पिछले वर्ष और मूल्यांकन वर्ष जैसे शब्द काफी कंफ्यूज करते हैं। जानकारों की मानें तो इसमें बदलाव किया गया है। बिल में टैक्स ईयर के कॉन्सेप्ट को जोड़ा गया है। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर पुराने और नए टैक्स कानून में किस तरह का अंतर देखने को मिल रहा है।

## नए बिल में मुख्य बदलाव

"असेसमेंट ईयर" को "टैक्स ईयर" से रिप्लेस कर दिया है।
"प्रीवियस ईयर" को "वित्तीय वर्ष" से रिप्लेस किया गया है।
भाषा को काफी आसान बनाया गया है।
एक्ट की लंबाई में छोटी है, इसमें कम पेज हैं।
चैप्टर्स की संख्या वही बनी हुई है, सेक्शंस की संख्या में इजाफा हुआ है।जिससे पता चलता है कि स्पष्टता के लिए जटिल प्रावधानों को तोड़ दिया गया है।
अनुसूचियों की संख्या में भी इजाफा किया गया है।

## ये भी हुए बदलाव

बिल में क्रिप्टोकरेंसी जैसी वर्चुअल डिजिटल असेट्स पर टैक्स लगाने के लिए स्पष्ट प्रावधान भी पेश किए गए हैं। इसमें सर्विस कॉन्ट्रैक्ट्स और वैल्यूएशन के लिए रेवेन्यू को कवर करने वाले नए खंड शामिल हैं। स्टैंडर्ड डिडक्शन, ग्रेच्युटी और लीव इनकैशमेंट जैसे सैलरी डिडक्शंस को एक सेगमेंट में कंसोलिडेट किया गया है। नई कर व्यवस्था के तहत टैक्स पिछले बजट से अपरिवर्तित हैं। धारा 44AD के तहत अनुमानित टैक्सेशन लिमिट बिजनेस और प्रोफेशनल्स के लिए बढ़ा दी गई है।
उदाहरण के लिए, मौजूदा इनकम टैक्स एक्ट, 1961 (धारा 80डी) में टैक्सपेयर्स को कटौती निर्धारित करने के लिए कई खंडों का उल्लेख करने की आवश्यकता होती है। नया बिल इन लिमिट्स को अलग—अलग कैटेगरीज में विभाजित करके अधिक स्पष्ट रूप से सामने रखता है। जिसमें स्वयं, परिवार और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम, स्वयं, परिवार और माता-पिता के लिए मेडिकल एक्सपेंसिस और वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्पेशल रूल्स आदि। टैक्सपेयर्स को अब कई क्रॉस-रेफरेंस के साथ कानूनी भाषा की व्याख्या करने की आवश्यकता नहीं होगी।
इनकम टैक्स स्लैबः नया वर्सेज पुराना
सैलरीड इंप्लॉयज के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन
मौजूदा कानूनः सभी सैलरीड इंप्लॉयज के लिए 50,000 रुपए का स्टैंडर्ड डिडक्शन।
प्रपोस्ड चेंजः ओल्ड टैक्स रिजीम वाले टैक्सपेयर्स के लिए 50,000 रुपए का स्टैंडर्ड डिडक्शन बना हुआ है। वहीं न्यू टैक्स रिजीम चुनने वालों के लिए 75,000 रुपए का स्टैंडर्ड डिडक्शन है।
न्यू इनकम टैक्स स्लैब (धारा 202)
मौजूदा कानून (डिडक्शन के साथ ओल्ड टैक्स रिजीम)
2.15 लाख रुपए तक – कोई टैक्स नहीं
2.5 लाख रुपए से 5 लाख रुपए – 5%
5 लाख रुपए से 10 लाख रुपए – 20%
10 लाख रुपए से अधिक – 30%

## धारा 87ए के तहत 5 लाख रुपए तक की आय पर छूट उपलब्ध है

मौजूदा कानून (न्यू टैक्स रिजीम – 2020 से वैकल्पिक, बिना डिडक्शन के)
2.15 लाख रुपए तक – कोई टैक्स नहीं
2.15 लाख रुपए से 5 लाख रुपए – 5%
5 लाख रुपए से 7.15 लाख रुपए – 10%
7.15 लाख रुपए से 10 लाख रुपए – 15%
10 लाख रुपए से 12.15 लाख रुपए – 20%
12.15 लाख रुपए से 15 लाख रुपए – 25%
15 लाख रुपए से अधिक – 30%
प्रपोस्ड टैक्स स्लैब (इनकम टैक्स बिल, 2025) (नई व्यवस्था के तहत इंडिविजुअल, एचयूएफ और अन्य संस्थाओं के लिए):
4,00,000 रुपए तक – कोई कर नहीं (2.15 लाख रुपए से बढ़ा हुआ)
4,00,001 रुपए से 8,00,000 रुपए – 5% (पिछले 5% स्लैब की तुलना में व्यापक सीमा)
8,00,001 रुपए से 12,00,000 रुपए – 10%
12,00,001 रुपए से 16,00,000 रुपए – 15%
16,00,001 रुपए से 20,00,000 रुपए – 20%
20,00,001 रुपए से 24,00,000 रुपए – 25%
24,00,000 रुपए से ऊपर – 30% (पहले 30% 15 लाख रुपए से ऊपर लागू होता था)

# 'युवा और प्रवासी भारतीय देश की ताकत' नीता अंबानी बोलीं– प्रौद्योगिकी को अपनाना सबसे बड़ा अवसर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी ने युवाओं और प्रवासी भारतीय समुदाय को देश की ताकत बताया है। अंबानी ने भारतीय व्यापार, नीति और संस्कृति पर हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस के दौरान दिए गए भाषण में यह बात कही है। नीता अंबानी ने कहा, ₹कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और जीनोमिक्स जैसी तकनीक को अपनाना देश के लिए एक बड़ा अवसर है। रिलायंस फाउंडेशन कीअध्यक्ष ने संसाधनों के महत्व से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए।
कार्यक्रम के दौरान, नीता अंबानी से भारत का SWOT (ताकत कमजोरी अवसर खतरा) विश्लेषण देने के लिए कहा गया, तो रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष ने कहा, इसलिए मुझे लगता है कि हमारी ताकत हमारे युवा हैं, हमारी 50% आबादी 30 वर्ष से कम उम्र की है, और हमारे प्रवासी भारतीय हैं। मुझे लगता है कि यही हमारी ताकत है।
कमजोरी के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि 200 या 300 मिलियन लोग जिनके जीवन

को हमें बदलने की जरूरत है, वे सबसे निचले पायदान पर हैं और मुझे लगता है कि यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए और हमें अगले दशक में इसे सुलझाने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के लिए सबसे बड़ा अवसर बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी को अपनाना है, चाहे वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता हो, हरित ऊर्जा हो, जीनोमिक्स हो। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि भारत यही करेगा।
नीता अंबानी ने कहा, मैं यहां एक मां के रूप में बोल रही हूँ। मुझे लगता है कि हमें शांति की आवश्यकता है। हमें दुनिया में शांति की आवश्यकता है। जब शांति होगी तभी देश आगे बढ़ेंगे और समृद्ध होंगे, और यह बात भारत के लिए भी सच है। इसलिए मुझे लगता है कि युद्ध से कोई फायदा नहीं होता। और मुझे लगता है कि यह एक खतरा है। नीता अंबानी ने खतरे के पहलू पर प्रकाश डालते हुए यह बात कही।
अपने जीवन की एक घटना को साझा करते हुए जब शादी के बाद उन्होंने अपने लिए एक सोने की चेन खरीदी थी, लेकिन अंततः उसे वापस करना पड़ा ताकि रिलायंस के कर्मचारियों को वेतन दिया जा सके, नीता अंबानी ने कहा, ₹मैंने यह सोने की चेन खरीदी और इसे घर ले आई। और मुकेश को दिखाया। मुश ने मेरी तरफ देखा और कहा, नीता, मुझे नहीं लगता कि हम इसे खरीद पाएंगे। रिलायंस वास्तव में कठिन समय से गुजर रहा है। और हमें पहले अपने सभी कर्मचारियों को वेतन देना होगा। इसलिए यह अच्छा होगा यदि आप यह सोने की चेन वापस कर दें... मैंने मुकेश से कोई सवाल किए बिना ऐसा किया। और मैंने उससे कहा, मुझे यकीन है कि अच्छे दिन आएंगे, और आप स्थिति को बदल देंगे, और उसने ऐसा किया। नीता अंबानी ने कहा कि इस घटना ने उन्हें यह सबक सिखाया कि ₹विपत्ति आपको एक बेहतर इंसान बनाती है, न कि एक कड़वा इंसान₹ और उन्होंने इसे अपने लिए एक बड़ी सीख बताया।

# डीपसीक बना चीन का पालनहार, चीनी शेयर बाजार को करा रहा मालामाल

चीन ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की ओर बढाए एक कदम में पूरे देश की स्थिति ही मानों बदल दी हो। शेयर बाजार में बंपर उछाल आ गया। निवेशक मालामाल हो गए। चीन ने पिछले दिन डीपसीक नाम का एक एआई लॉन्च किया, जिसके बाद से देश का शेयर बाजार रॉकेट बन गया। डीपसीक चीन का पालनहार बन गया चीनी शेयर बाजार को मालामाल कर रहा है।
ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, डीपसीक के लॉन्च होने के बाद पिछले एक महीने में चीन के शेयर बाजार में करीब 1.13 ट्रिलियन डॉलर की तेजी आई है। डीपसीक के आने से चीन के टेक्नोलॉजी सेक्टर में बंपर बूस्ट देखने को मिला। चीनी टेक स्टॉक्स लगातार तेजी में हैं। वहीं, इसी भारतीय बाजार में गिरावट देखने के मिल रही है। जिसका कारण विदेशी निवेशकों की ओर की जाने वाली भयंकर बिकवाली और अमेरिकी टैरिफ के दबाव को प्रमुख कारण बताया जा रहा है।

## एआई का इकोसिस्टम

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के ऑनशोर और ऑफशोर इक्विटी मार्केट्स की वैल्यू में पिछले एक महीने में 1.13 ट्रिलियन डॉलर की तेजी आई है की तेजी आई है। यह पिछले दो सालों में आई सबसे ज्यादा तेजी है। चीन डीपसेक के साथ-साथ एआई के सेक्टर में अपना पूरा इकोसिस्टम बना रहा है और आने वाले समय में उसका बोलबाला एआई सेक्टर में होगा। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है। एक्सपर्ट का मानना है कि डीपसीक रिलेटेड डेवलेपमेंट्स से चीन की इकोनॉमी आगे और बूस्ट कर सकती है।

## चीनी शेयरों में निवेश का बढ़ना

एक्सपर्ट का मानना है कि डीपसीक से आने के बाद वहां शेयर बाजार आगे आने वाले समय में और ऊपर जाएगा। इसमें टेक्नोलॉजी के सेक्टर में ज्यादा बूस्ट देखने को मिल सकता है। ब्लूमबर्ग के डेटा के मुताबिक सबसे बड़े एक्टिव एशियन इक्विटी फंड्स अब भारत के बाजारों में अपने निवेश को कम कर रहे हैं और चीन में निवेश को बढ़ा रहे हैं।

# बांग्लादेश से रिश्ते सुधारना चाहते हो तोखालिदा जिया की पार्टी ने भारत के सामने रखीं 3 शर्तें

**ढाका, एजेंसी।** शेख हसीना के पतन के बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्ते बिगड़ते ही जा रहे हैं. बांग्लादेश के गठन के बाद से उसके भारत के साथ अच्छे रिश्ते रहे हैं, लेकिन अब इनमें मतभेद आ गए हैं। बांग्लादेश की यूनुस सरकार पाकिस्तान और चीन की ओर झुकती जा रही है, जो भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।
बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी BNP के नेता ने भारत के सामने तीन शर्तें रखी हैं। बांग्लादेश नेशनल पार्टी के जनरल सेक्रेटरी मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने सोमवार को कहा कि अगर भारत बांग्लादेश के साथ रिश्ते सुधारना चाहता है, तो उसको इन तीन शर्तों को मानना होगा।

## कौन सी हैं वे तीन शर्तें?

फखरुल ने लालमोनिरहाट में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, "हम भारत को यह साफ कर देना चाहते हैं कि यदि आप बांग्लादेश के लोगों के साथ संबंध बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको तीस्ता नदी के पानी में हमारा पूरा हिस्सा देना होगा, सीमा पर हमारे लोगों पर गोलीबारी बंद करनी होगी और हमारे प्रति बड़े भाई का रवैया छोड़ना होगा।"

## अपने पैरों पर खड़ा होगा बांग्लादेश – फखरुल

फखरुल ने ये भी कहा कि बांग्लादेश अपने पैरों पर खड़ा होना चाहता है और भारत के पड़ोसी देश के रूप में अपने सभी अधिकारों और हिस्सेदारी को महसूस करना चाहता है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि बांग्लादेश के लोग निश्चित रूप से भारत के साथ दोस्ती वाले रिश्ते बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन यह रिश्ता गरिमा पर आधारित होना चाहिए, जिसमें सभी बराबरी और उचित हिस्सेदारी को मान्यता दी जानी चाहिए।

## भारत को बेचा बांग्लादेश

उन्होंने शेख हसीना पर निशाना साधते हुए कहा कि कई लोगों को उम्मीद थी कि 2009 में अवामी लीग के सत्ता में आने के बाद भारत बांग्लादेश के लिए तीस्ता का पानी सुनिश्चित करेगा। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ, अवामी लीग ने बांग्लादेश को भारत को बेच दिया, लेकिन पानी की एक बूंद भी हासिल नहीं हुई।

# 6 फीट 3 इंच हाइट, सोने का महल ..पीएम मोदी से मिले इस 44 साल के नेता की लाइफ है कमाल

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी भारत पहुंचे हैं। नरेंद्र मोदी प्रोटोकॉल को तोड़ते हुए, खुद अमीर को रिसीव करने एयरपोर्ट पहुंचे। शेख तमीम अन्य देशों के शासकों की तरह आम नहीं है, उनकी डिप्लोमेसी के साथ-साथ उनका लाइफस्टाइल भी दुनिया भर में मशहूर है।
उच्च कद-काटी के शेख तमीम बिन हमद अल-थानी की तीन बार शादी कर चुके हैं और उनके 13 बच्चे हैं। अमीर टाइटल कतर के सुप्रीम लीडर को दिया जाता है। कतर के गठन के बाद से ये टाइटल अल-थानी परिवार के 11 सदस्यों को मिल चुका है और शेख तमीम कतर के 11वें अमीर हैं।

## शेख तमीम का जीवन

3 जून 1980 को जन्मे शेख तमीम पूर्व अमीर हमद बिन खलीफा अल थानी के चौथे बेटे हैं। उन्होंने ब्रिटेन से अपनी पढ़ाई पूरी की है और 1998 में वहां से लौटने के बाद कतर आर्मी की कमान संभाली थी। शेख तमीम बिन हमद अल-थानी 2013 में कतर के अमीर बने हैं और उसके बाद से उनकी लोकप्रियता में इजाफा होता रहा है। बता दें, 2022 में उन्हें रॉयल इस्लामिक स्ट्रेटेजिक स्टडीज सेंटर की ओर से दुनिया के सबसे प्रभावशाली मुस्लिमों में शामिल किया गया था।

## शानदार लाइफस्टाइल

13 बच्चों के पिता शेख तमीम की तीन बार शादी हो चुकी है और वे एक ऐश-ओ-आराम से भरी जिंदगी जीते हैं। दोहा में उनके रॉयल पैलेस की कीमत करीब 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। इस महल में 100 से ज़्यादा कमरे, बॉलरूम और करीब 500 कारों के लिए पार्किंग की सुविधा है। महल के कुछ हिस्सों में सोने की नक्काशी की गई है। शेख तमीम की शानदार लाइफस्टाइल में दुनिया की सबसे महंगा जहाज भी शामिल है, जिसकी कीमत 3.13 बिलियन रुपये है। 124 मीटर लंबी इस जहाज में एक हेलीपैड भी है और इसमें एक साथ 35 मेहमान और 90 क्रू मेंबर रह सकते हैं।

## लग्जरी कारों का कलेक्शन और प्राइवेट एयरलाइन

अमीर के पास अपनी एयरलाइन, 'कतर अमीरी एयरलाइन' है, जिसे 1977 में बनाया गया था, जो खास तौर से शाही परिवार के लिए चलती है। एयरलाइन के पास कम से कम 14 विमानों का बेड़ा है, जिसमें तीन बोइंग 747 शामिल हैं। कारों की बात करें, तो शेख तमीम के पास बुगाटी और फेरारी से लेकर लेम्बोर्गिनी और रोल्स रॉयस तक की लग्जरी कारें हैं, जो उनके कारों के प्रेम को दिखाता हैं। इसी लाइफ स्टाइल के चलते वे दुनिया के सबसे अमीर और ऐश भरी जिंदगी जीने वाले शासकों में आते हैं।

# भूकंप पर बड़ी खोज में जुटे थे अमेरिकी वैज्ञानिक, चीन ने कर दिया खेल

**टेक्सास।** आए दिन भूकंप की वजह से पूरी दुनिया डरी हुई है। बड़े-बड़े देश भूकंप के पूर्वानुमान को लेकर युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं। अमेरिका के टेक्सास यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर निउ फेलियांग के नेतृत्व में भूकंप की रासायनिक और भौतिक प्रवृत्ति को लेकर शोध हो रहा था। इसी बीच चीन ने बड़ा खेल कर दिया है।
साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक चीन ने नेउ फेलियांग को अपने यहां बड़ा पद देकर अमेरिका से वापस बुला लिया है। फेलियांग अब विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूएसटीसी) का काम देखेंगे। चीन में इसे बहुत बड़ा पद माना जाता है।
चीन में जन्मे 59 साल के नेउ फेलियांग पृथ्वी के भीतर की संरचना पर काम करने के लिए मशहूर हैं। साल 1997 में टोक्यो से पीएचडी की

डिग्री हासिल करने के बाद फेलियांग अमेरिका चले गए। साल 2002 में फेलियांग को राइस विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर पद पर नियुक्त किया गया। इसके बाद उन्होंने भू-विज्ञान की दुनिया में बड़ा नाम कमाया। 2008 में निउ ने जनरल नेचर में एक रिपोर्ट तैयार किया, जिसमें पृथ्वी के भीतर की संरचना के बारे में बताया गया था। निउ ने अपने शोध में विस्तार से बताया कि कैसे भूकंप से पहले होने वाले सूक्ष्म भूकंपीय परिवर्तनों को मापा जा सकता है।
निउ भू-विज्ञान पर 170 से ज्यादा शोध कर चुके हैं। वर्तमान में निउ यह पता लगाने में जुटे हैं कि भूकंप आने से पहले चट्टानों के नीचे किस तरीके का रिएक्शन होता है। कहा जा रहा है कि इसकी जानकारी अगर मिल जाती है तो भूकंप का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है।

## चीन ने फेलियांग को क्यों तोड़ा?

फेलियांग का अमेरिका में शोध का काम ठीक चल रहा था। हालांकि, फेलियांग अमेरिका के उस नीति से खफा थे, जिसमें चीन के विद्यार्थियों को अमेरिकी यूनिवर्सिटी में जगह नहीं दी जा रही थी। लौटने की एक बड़ी वजह इसे ही बताई जा रही है।
दूसरी तरफ चीन खुद भी भूकंप से परेशान है। पूर्वानुमान के लिए चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल पर भी काम कर रहा है। कहा जा रहा है कि फेलियांग को वापस बुलाने की एक वजह यह भी है। चीन ने फेलियांग को शिक्षा और साइंस के क्षेत्र में बड़ा पद देकर वापस अमेरिका से बुला लिया है।

# व्हाइट हाउस तक छावा की गूंज... डोनाल्ड ट्रंप के करीबी ने काश पटेल को बना दिया विक्की कौशल

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** सिनेमा घरों में रिलीज होने के बाद से ही लक्ष्मण उतेकर निर्देशित फिल्म छावा सुर्खियों में है। फिल्म के कई वीडियो मीम्स के जरिए सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ऐसे ही एक वीडियो क्लिप की गूंज अमेरिका तक है। डोनाल्ड ट्रंप के करीबी ने इसे अपने एक्स हैंडल से पोस्ट किया है।
दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप के सहयोगी डैन स्काविनो ने छावा फिल्म का एक क्लिप शेयर किया है, जिसमें अभिनेता विक्की कौशल की जगह काश पटेल का चेहरा लगाया गया है। वीडियो में काश पटेल विक्की की तरह ही जश्न मनाते दिख रहे हैं।
स्काविनो ने वीडियो के साथ कमिंग सून (जल्द आ रहा है) लिखा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स इसका मतलब निकाल रहे हैं।
एफबीआई डायरेक्टर बनने की रेस में काश

भारतवंशी काश पटेल अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई के डायरेक्टर बनने की रेस में शामिल हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनके नाम को आगे बढ़ा चुके हैं। अगले हफ्ते तक इस पर फाइनल फैसला हो जाएगा। काश पटेल को लेकर डेमोक्रेटिक सांसद लगातार सवाल उठा रहे हैं। ऐसे में जिस तरीके से छावा का मीम्स ट्रंप ने शेयर किया है, उसे काश के तेजी से आगे बढ़ने का संकेत है।

## यूजर्स ने लिखा- व्हाइट हाउस तक पहुंचा बॉलीवुड

स्काविनो के इस पोस्ट पर यूजर्स भी जमकर मजे ले रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि बॉलीवुड अब अमेरिका के व्हाइट हाउस तक पहुंच चुका है। कुछ यूजर्स ने बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप के साथ काश की तस्वीरें शेयर की है। वहीं काश ओनली नाम से हैशटैग भी चलाया जा रहा है। भारतवंशी काश पटेल लंबे वक्त से अमेरिकी खुफिया विभाग में पदस्थ रहे हैं। ट्रंप के करीबी माने जाते हैं।
वहीं छावा से जोड़कर काश का मीम्स वीडियो शेयर करने वाले डैन स्काविनो डोनाल्ड ट्रंप का सोशल मीडिया देखते हैं। वे व्हाइट हाउस में भी ट्रंप की विशेष टीम में हैं। ट्रंप के लिए स्काविनो सोशल मीडिया कैंपेन भी तैयार कर चुके हैं।

# 'कोई मानसिक आघात नहीं है', पुणे जर्मन बेकरी विस्फोट के दोषी को राहत देने से उच्च न्यायालय का इनकार

**नई दिल्ली।** बॉम्बे उच्च न्यायालय ने साल 2010 के जर्मन बेकरी विस्फोट मामले में दोषी हिमायत बेग को राहत देने से इनकार कर दिया है। हिमायत बेग ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दावा किया था कि उसे नासिक केंद्रीय कारागार में एकांत कारावास में रखा गया है। वह बीते 12 साल से जेल में है और एकांत कारावास में रहने की वजह से उसे मानसिक आघात हो रहा है। हिमायत बेग ने अपनी याचिका में उसे एकांत कारावास से निकालने की मांग की थी। हालांकि उच्च न्यायालय ने इसका आदेश देने से इनकार कर दिया।

### राहत देने से उच्च न्यायालय का इनकार

बॉम्बे उच्च न्यायालय की जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस नीला गोखले की सदस्यता वाली खंडपीठ ने हिमायत बेग को राहत देने से मना कर दिया। खंडपीठ ने कहा कि 'जैसा कि याचिकाकर्ता ने दावा किया है, इस स्तर पर मानसिक आघात जैसी कोई बात नहीं है।' हालांकि उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि हिमायत बेग को जेल के भीतर नियमों और कानून के मुताबिक कुछ काम दिया जा सकता है। बता दें कि एकांत कारावास में कैदी को अन्य कैदियों से अलग रखा जाता है और अधिकतर समय उसे जेल की चारदीवारी में ही कैद रखा जाता है। गंभीर अपराध जैसे हत्या या बम धमाके के दोषियों को एकांत कारावास में रखा जाता है।

### जर्मन बेकरी बम धमाके में 17 की हुई थी मौत

हिमायत बेग साल 2010 के पुणे जर्मन बेकरी बम धमाके में दोषी पाया गया है। साल 2013 में पुणे की विशेष अदालत ने हिमायत बेग को दोषी ठहराया था। अदालत ने बेग को मौत की सजा सुनाई थी, लेकिन साल 2016 में बॉम्बे उच्च न्यायालय ने हिमायत बेग की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था। पुणे जर्मन बेकरी बम विस्फोट में 17 लोगों की मौत हुई थी और 60 अन्य घायल हुए थे।

# 'ये अस्वीकार्य है', सरपंच हत्याकांड में एक आरोपी के अभी भी न पकड़े जाने पर भड़कीं सुप्रिया सुले

**मुंबई।** एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने मंगलवार को बीड में सरपंच की हत्या के मामले में राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि सरपंच की हत्या के दो महीने बाद भी एक आरोपी अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। उन्होंने इसे सरकार की विफलता बताया और कहा कि ये स्वीकार्य नहीं है। सुप्रिया सुले ने कहा कि वे इस मामले को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिल चुकी हैं और जल्द ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात करेंगी।

### पीड़ित परिजनों से मिलने गांव पहुंची सुप्रिया सुले

सुप्रिया सुले मंगलवार को बीड के मस्साजोग गांव में मारे गए सरपंच संतोष देशमुख के परिजनों से मिलने गांव पहुंचीं। परिजनों से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस मामले को लेकर मुलाकात की थी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की अपील की थी। मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख की बीती 9 दिसंबर, 2024 को हत्या कर दी गई थी। संतोष देशमुख ने बीड जिले में एक ऊर्जा फर्म से जबरन वसूली का विरोध किया था, जिसके बाद उनका अपहरण किया गया और प्रताड़ित कर बेरहमी से उनकी हत्या कर दी गई।

### दो महीने बाद भी एक आरोपी गिरफ्तार नहीं

सरपंच की हत्या के मामले में पुलिस ने अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं एक आरोपी कृष्णा अंधाले अभी भी फरार है। इस मामले में महाराष्ट्र सरकार के करीबी वाल्मिक कराड को भी गिरफ्तार किया गया है। इसे लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में काफी हंगामा हुआ था। वाल्मिक कराड सरपंच हत्याकांड में मुख्य आरोपी बताया जा रहा है। फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में है। सुले ने कहा कि पुलिस प्रशासन अभी तक कृष्णा अंधाले को नहीं ढूंढ पाया है, जो अस्वीकार्य है। सुले ने कहा कि 'वाल्मिक कराड ने आत्मसमर्पण करने से पहले एक वीडियो बनाया था। उसमें आत्मसमर्पण करने से पहले ऐसा वीडियो बनाने की हिम्मत कहां से आई? कृष्णा अंधाले कहां चला गया? अगर वे हर दिन हमारे फोन को ट्रैक कर सकते हैं, तो क्या वे कृष्णा अंधाले को नहीं ढूंढ सकते? यह स्वीकार्य नहीं है।'

सुप्रिया सुले ने कहा कि, 'हमने मांग की है कि इस मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाना चाहिए। मैं संतोष देशमुख के परिवार को वचन देती हूं कि मैं इस मामले में कोई समझौता नहीं होने दूंगी और न्यायिक प्रक्रिया पर भी गौर करूंगी।' सुले ने कहा, 'यह देशमुख परिवार की ही लड़ाई नहीं है, बल्कि अब यह हम सबकी लड़ाई है।'

# बॉयफ्रेंड ऋतिक रोशन के बेटे संग नजर आईं सबा आजाद, सोशल मीडिया यूजर्स ने दिए अजब रिएक्शन

सबा आजाद के करियर फ्रंट की बात करें तो वह फिल्मों और वेब सीरीज में एक्टिंग करती हैं। इस साल वह अनुराग कश्यप की एक अनाम फिल्म का हिस्सा बन रही हैं। वहीं 'सॉन्ग ऑफ पैराडाइज' नाम का एक प्रोजेक्ट भी कर रही हैं। एक्टिंग के अलावा सबा आजाद बतौर सिंगर भी एक्टिव रहती हैं।

ऋतिक रोशन के पूर्व पत्नी सुजैन खान से दो बेटे हैं। वे दोनों ही माता-पिता के साथ समय-समय पर रहते हैं। लेकिन ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड सबा आजाद भी दोनों बेटों का पूरा ख्याल रखती हैं। हाल ही में सबा आजाद और ऋतिक रोशन के एक बेटे को एक इवेंट में साथ देखा गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिस पर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट भी किया है।

सबा के साथ खुश दिखा ऋतिक का बेटा

इवेंट में सबा आजाद, बॉयफ्रेंड ऋतिक रोशन के बेटे से बातचीत करती दिखीं। वह ऋतिक के बेटे को गाइड कर रही थीं, कहां जाना है? दोनों के बीच एक अलग तरह की बॉन्डिंग नजर आ रही थी। सबा, ऋतिक के बेटे को लेकर काफी केयरिंग भी नजर आ रही थीं।

सोशल मीडिया यूजर्स ने दिए रिएक्शन

सबा आजाद और ऋतिक रोशन के बेटे का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इन्हें भाई-बहन बता दिया। कुछ यूजर्स का कहना है कि ऋतिक का बेटा, सबा का छोटा भाई लग रहा है। ऋतिक रोशन और सबा आजाद की उम्र में काफी फर्क है। सबा, ऋतिक से 11 साल छोटी हैं।

सबा आजाद के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

# पहली फिल्म से ही सुपरस्टार बने ये बॉलीवुड सितारे, दूसरी पारी में नहीं चली फिल्म तो हो गए फ्लॉप

हर अभिनय प्रेमी व्यक्ति का एक बड़ा सपना होता है कि वह एक दिन बॉलीवुड में जरूर जाए। इनमे कई लोगों के सपने तो साकार होते हैं, लेकिन कई लोग ऐसे भी होते है जो तमाम संघर्षों के बावजूद भी इस इंडस्ट्री में कदम नहीं रख पाते हैं। ऐसा माना जाता है कि एक बार इस जगत में आने के बाद आपके सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है खुद को साबित करना। अगर आपकी शुरुआती फिल्म हिट होती है तो आपको अपनी हर आगामी फिल्म के साथ अपना स्टारडम भी मेंटेन करना होता है, लेकिन कई लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं। तो आज के इस लेख में हम आपको उन सितारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो एक वक्त पर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर राज करते थे, लेकिन फिर इन सितारों की किस्मत कुछ यूं पलटी कि ये धीरे-धीरे फिल्मों की दुनिया से गायब ही हो गए। तो चलिए जानते हैं।

## विवेक ओबेरॉय

बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय एक समय पर इस इंडस्ट्री पर राज करते थे, उन्हें बॉलीवुड का उभरता सितारा माना जाते थे। उस समय विवेक को चाहने वालों की भी कमी नहीं थी। विवेक 'प्रिंस', 'मस्ती', 'साथिया', 'कंपनी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हेयर, लेकिन धीरे-धीरे विवेक को फिल्में मिला बंद हो गईं और वह जिन फिल्मों में आए वो फिल्में फ्लॉप होती चली गई। अभिनेता को आखिरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आधारित फिल्म में देखे गए हैं।

## अक्षय खन्ना

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अक्षय खन्ना हमेशा अपनी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। फैंस उनके अभिनय के दीवाने हैं। काफी साल बाद अक्षय ने फिल्म 'दृश्यम 2' से एक बार फिर बॉलीवुड में कमबैक किया है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी काफी हिट रही। अभिनेता को असल पहचान फिल्म 'बॉर्डर' से मिली थी, लेकिन बाद ने अक्षय दर्शकों के दिलों में अपनी पहचान बनाने में कामयाब नहीं रहे।

## प्रीति जिंटा

फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत एक्ट्रेसेज में से एक प्रीति जिंटा ने अब फिल्मों से किनारा कर लिया है। प्रीति आज भी अपनी मुस्कान से लाखों दिलों पर राज करती हैं। फैंस ने उनका नाम 'डिंपल गर्ल' भी रखा था। प्रीति का शुरुआती करियर तो काफी अच्छा रहा, लेकिन अभिनेत्री की बाकी फिल्में नहीं चली, जिसे देखते हुए अभिनेत्री ने धीरे धीरे फिल्म से किनारा कर लिया।

## बॉबी देओल

वेब सीरीज 'आश्रम' फेम बॉबी देओल अपने अभिनय से लोगों का दिल जीत रहे हैं। बॉबी की आश्रम वेब सीरीज ने ऑडियंस को उनकी तारीफ करने पर मजबूर कर दिया था। 'गुप्त', 'बादल', सोल्जर', 'अजनबी' जैसी फिल्मों में काम कर चुके बॉबी देओल अचानक ही फिल्मों से गायब हो गए थे। बॉबी ने इसका कारण का भी खुलासा किया था और बताया था कि उन्हें काम मिलना बंद हो गया था।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail।com